Kamal.Sandesh
kamalsandesh.org
KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-20, अंक-17
01-15 सितम्बर, 2025 (पाक्षिक)
₹20

'भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दृढ़ इरादे के साथ पूरा करेंगे'

'विकसित भारत' बनाने के लिए
ना हम रुकेंगे ना हम झुकेंगे

कनॉट प्लेस (नई दिल्ली) में 14 अगस्त, 2025 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित मौन जुलूस में भाग लेते तथा एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 15 अगस्त, 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर 13 अगस्त, 2025 को ध्वजारोहण कर 'हर घर तिरंगा' राष्ट्रव्यापी अभियान में सम्मिलित होते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 16 अगस्त, 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर 'सदैव अटल' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर 13 अगस्त, 2025 को ध्वजारोहण कर 'हर घर तिरंगा' राष्ट्रव्यापी अभियान में भाग लेते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

भोपाल (मध्य प्रदेश) में 10 अगस्त, 2025 को रेल निर्माण सुविधा के भूमि पूजन में भाग लेते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव एवं अन्य नेतागण

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **आजादी का यह पर्व सामूहिक सिद्धियों और गौरव का पल है: नरेन्द्र मोदी**
79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त को अपना सबसे लंबा और निर्णायक भाषण...

15 भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दृढ़ इरादे के साथ पूरा करेंगे : जगत प्रकाश नड्डा
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15...

16 सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित
राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 17 अगस्त, 2025 को महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सीपी राधाकृष्णन को...

30 क्राइम और करप्शन टीएमसी सरकार की पहचान बन गए हैं : नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अगस्त, 2025 को कोलकाता में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में...

31 'बिहार अब व्यापक विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है'
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अगस्त, 2025 को बिहार के गया जी में 12,000 करोड़ रुपये की लागत वाली...

लेख

'आप जब तक सुनेंगे, तब तक मैं बोलूंगा'/ **संजय सेठ** 18

विकसित भारत के लिए मोदीजी के सुधारों का ब्रह्मास्त्र/ **हरदीप एस. पुरी** 24

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसः भारत का दर्द, भारत का संकल्प/ **तरुण चुग** 26

स्वतंत्रता पर नव संकल्प / **शिवप्रकाश** 28

श्रद्धांजलि

नागालैंड के राज्यपाल ला. गणेशन नहीं रहे 23

अन्य

एसएंडपी ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बढ़ाकर 'बीबीबी' किया 20

ईपीएफओ में जून, 2025 के दौरान सर्वकालिक उच्चतम लगभग 22 लाख सदस्य शुद्ध रूप से जुड़े 22

5.82 लाख गांवों में लगभग 15.69 करोड़ (81.02 प्रतिशत) घरों में नल के जल की हुई आपूर्ति 22

विशाल जनसभा, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) 30

विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन गया जी (बिहार) 31

'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा हुई और दोनों सदनों ने 15 विधेयक पारित किए 32

विभाजन की त्रासदी देश के इतिहास का एक गहन दर्द और सबक है : जगत प्रकाश नड्डा 34

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

कांग्रेस और आरजेडी सहित इंडी गठबंधन वालों ने बिहार के लोगों के खिलाफ जो नफरती अभियान चला रखा है, राज्य की एनडीए सरकार उसका जवाब विकास और रोजगार से दे रही है।

(22 अगस्त, 2025)

जगत प्रकाश नड्डा

मोदी सरकार गंभीर बीमारियों के पीड़ितों को खोजकर उनके उपचार के लिए संवेदनशील होकर काम कर रही है।

(25 अगस्त, 2025)

अमित शाह

लालू जी को बचाने के लिए यूपीए सरकार द्वारा लाए अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से फाड़ने वाले राहुल गांधी, आज लालू जी को गले लगा रहे हैं।

(22 अगस्त, 2025)

राजनाथ सिंह

भारत में वह संकल्प शक्ति है, जो किसी भी चुनौती के आगे हमें झुकने नहीं देती। प्रगति के मार्ग पर चाहे कितनी ही बाधाएं क्यों न आएं, हम दृढ़ संकल्पित होकर आगे बढ़ते रहे हैं और आगे भी बढ़ते रहेंगे।

(15 अगस्त, 2025)

बी.एल. संतोष

कम्युनिस्टों ने अंग्रेजों का साथ दिया। उन्होंने 1962 में चीन का साथ दिया। उन्होंने आपातकाल लगाने के लिए श्रीमती इंदिरा गांधी का समर्थन किया। उन्होंने केरल, पश्चिम बंगाल एवं त्रिपुरा में सैकड़ों लोगों का कत्लेआम किया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सबसे अलोकतांत्रिक पार्टी एवं मानसिकता है।

(16 अगस्त, 2025)

मनोहर लाल

लखनऊ की कालातीत विरासत का आधुनिक मेट्रो कनेक्टिविटी के साथ सम्मिश्रण! माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी को मंजूरी दे दी है – जिसकी लंबाई 11.165 किलोमीटर होगी और इसमें 12 स्टेशन होंगे। यह बड़ा विस्तार शहर के सबसे पुराने और सबसे घनी आबादी वाले इलाकों को जोड़ेगा, जिससे सुगमता में सुधार होगा, भीड़भाड़ कम होगी और आर्थिक विकास एवं पर्यटन के नए अवसर पैदा होंगे। चरण-1बी के साथ लखनऊ में 34 किलोमीटर का सक्रिय मेट्रो नेटवर्क होगा, जो शहर के सतत शहरी विकास की यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगा। (15 अगस्त, 2025)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
वामन द्वादशी (04 सितम्बर)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

'विकसित भारत' की नींव है 'आत्मनिर्भरता'

15 अगस्त, 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भरता को 'विकसित भारत' की राष्ट्रीय शक्ति की नींव कहते हुए इसे राष्ट्रीय स्वाभिमान का मानक कहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दूसरों पर निर्भरता स्वतंत्रता पर प्रश्न खड़े करती है तथा आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय क्षमता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'मेड इन इंडिया' रक्षा उपकरणों की शक्ति ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में प्रदर्शित होती है। साथ ही, उन्होंने 'न्यूक्लियर ब्लैकमेल' को खारिज करते हुए कहा कि दशकों से चली आ रही परमाणु धमकियों को अब भारत सहन नहीं करेगा। देश ने अब यह भी निर्णय कर लिया है कि खून और पानी अब साथ-साथ नहीं बहेगा- सिंधु जल समझौता 70 वर्षों से हो रहे अन्याय का प्रतीक है। इसके चलते जहां दुश्मनों की जमीन की सिंचाई हो रही है, वहीं भारत के किसान प्यासे हैं। भारत का पानी अब भारत के किसानों के लिए सुरक्षित रहेगा।

एक बड़ी घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र से प्रेरित 'सुदर्शन चक्र मिशन' की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2035 तक भारत समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली को स्थापित करेगा, जिसके अंतर्गत रणनीतिक एवं असैनिक क्षेत्र, अस्पताल, रेल, आस्था के केंद्र जैसे स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। आत्मनिर्माण के क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण कदम का उल्लेख करते हुए उन्होंने सेमीकंडक्टर उत्पादन को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 50-60 वर्षों तक सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को लटकाकर एवं रोककर इसमें विलंब किया गया, परंतु अब भारत ने इसे मिशन-मोड में लेकर प्राथमिकता दी है। यह एक बड़ी उपलब्धि है कि 6 सेमीकंडक्टर इकाई तैयार हो रही हैं तथा 4 और इकाई को अनुमति दी गई है। इस वर्ष के अंत तक भारतीयों द्वारा बनाई गई 'मेड इन इंडिया' चिप्स बाजार में उपलब्ध हो जाएगी।

ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने 'आत्मनिर्भरता' के आधार पर बड़ी छलांग लगाई है। ध्यान देने योग्य है कि भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के अपने 50 प्रतिशत लक्ष्य 2025 में ही प्राप्त कर लिया। यह लक्ष्य 2030 तक पूरा करना था। देश ने 'नेशनल डीप वाटर एक्सप्लोरेशन' मिशन का भी शुभारंभ किया है, जिससे समुद्र के अंदर से तेल एवं गैस को खोजा जा सकेगा। जहां 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता 10 गुणा तक बढ़ने की आशा है, वहीं इन नए परमाणु रिएक्टरों के कार्य में तेजी तथा इस क्षेत्र में निजी भागीदारी को अनुमति से परमाणु क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तीव्र गति से प्राप्त किया जा सकेगा। इसी प्रकार से अंतरिक्ष एवं महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। ऊर्जा, उद्योग, रक्षा एवं तकनीकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आवश्यकता है, इसके लिए 1200+ स्थानों पर 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' के द्वारा अभियान चलाए जा रहे हैं। आज अंतरिक्ष के क्षेत्र में 300 से अधिक स्टार्ट-अप्स सक्रिय हैं, जिनमें हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। यह भारतीय युवा शक्ति का प्रतीक बनकर उभरी है।

> **ऊर्जा, उद्योग, रक्षा एवं तकनीकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आवश्यकता है, इसके लिए 1200+ स्थानों पर 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' के द्वारा अभियान चलाए जा रहे हैं। आज अंतरिक्ष के क्षेत्र में 300 से अधिक स्टार्ट-अप्स सक्रिय हैं, जिनमें हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। यह भारतीय युवा शक्ति का प्रतीक बनकर उभरी है**

व्यापक कर सुधार की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जीएसटी में होने वाले सुधार दीपावली का उपहार होगा। इससे आम आदमी को भारी कर-राहत तथा एसएमई क्षेत्र एवं छोटे उद्यमियों को बड़ा लाभ होगा। उन्होंने युवाओं को दूसरों पर आश्रित रहने के स्थान पर अपने प्लेटफॉर्म्स विकसित करने का आह्वान करते हुए यूपीआई की भारी सफलता का उल्लेख किया। आज भारत की यूपीआई की विश्व के लेने-देन में 50 प्रतिशत की भागीदारी है। उन्होंने ऑपरेटिंग सिस्टम, साइबर सुरक्षा, डीप टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, उर्वरक एवं ईवी बैटरीज को देश में ही विकसित करने का युवाओं से आह्वान किया।

स्वयंसेवकों को उनके समर्पण के लिए अभिनंदन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यात्रा को देश के लिए गौरव एवं निरंतर प्रेरणा देने वाला बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष की राष्ट्रसेवा में चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण तथा मां भारती की सेवा में समर्पित रहने के लिए इसकी प्रशंसा की। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री का 79वें स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन

आजादी का यह पर्व सामूहिक सिद्धियों और गौरव का पल है: नरेन्द्र मोदी

79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त को अपना सबसे लंबा और निर्णायक भाषण दिया, जो 103 मिनट का था और जिसने 'विकसित भारत' 2047 के लिए एक साहसिक रोडमैप तैयार किया। श्री मोदी ने राष्ट्र सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, तकनीकी और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने और समाज के सभी वर्गों तक सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने जैसे कई विषयों पर भविष्य की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री ने दूसरे देशों पर निर्भर राष्ट्र से लेकर विश्व स्तर पर आत्मविश्वासी, तकनीकी रूप से उन्नत और आर्थिक रूप से सुदृढ़ देश बनने तक की भारत की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांस्फॉर्म हो रहा है, लेकिन अब और भी मजबूती के साथ आगे बढ़ने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार एक आधुनिक, कुशल और नागरिक-अनुकूल इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां कानूनों, विनियमों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाए और प्रत्येक भारतीय 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान दे सके

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी का यह महापर्व 140 करोड़ संकल्पों का पर्व है। आजादी का यह पर्व सामूहिक सिद्धियों का, गौरव का पल है और हृदय उमंग से भरा हुआ है। देश एकता की भावना को निरंतर मजबूती दे रहा है। 140 करोड़ देशवासी आज तिरंगे के रंग में रंगे हैं। हर घर तिरंगा, भारत के हर कोने से चाहे रेगिस्तान हो, या हिमालय की चोटियां, समुद्र के तट हो या घनी आबादी वाले क्षेत्र, हर तरफ से एक ही गूंज है, एक ही जयकारा है, हमारे प्राण से भी प्यारी मातृभूमि का जयगान है।

सैकड़ों किलोमीटर दुश्मन की धरती पर घुसकर के आतंकी हेडक्वार्टर्स को मिट्टी में मिला दिया, आतंकी इमारतों को खंडहर बना दिया

सन् 1947 में अनंत संभावनाओं के साथ, कोटि-कोटि भुजाओं के सामर्थ्य के साथ, हमारा देश आजाद हुआ। देश की आकांक्षाएं उड़ाने भर रही थीं, लेकिन चुनौतियां उससे भी कुछ ज्यादा थी। पूज्य बापू के सिद्धांतों पर चलते हुए संविधान सभा के सदस्यों ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण दायित्व निभाया। भारत का संविधान 75 वर्ष से एक प्रकाश स्तंभ बनकर के हमें मार्ग दिखाता रहा है। भारत के संविधान निर्माता अनेक विद् महापुरुष डॉ. राजेंद्र प्रसाद, बाबा साहब अंबेडकर, पंडित नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी, इतना ही नहीं हमारी नारी शक्ति का भी योगदान कम नहीं था। हंसा मेहता जी, दक्षयानी वेलायुद्धन जैसी विदुषियों ने भी भारत के संविधान को सशक्त करने में अपनी भूमिका निभाई थी। मैं आज लाल किले के प्राचीर से देश का मार्गदर्शन करने वाले, देश को दिशा देने वाले, संविधान के निर्माताओं को आदरपूर्वक नमन करता हूं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत के संविधान के लिए बलिदान देने वाले देश के पहले महापुरुष

हम आज डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं। डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत के संविधान के लिए बलिदान देने वाले देश के पहले महापुरुष थे। संविधान के लिए बलिदान, धारा 370 की दीवार गिराकर, एक देश एक संविधान के मंत्र को जब हमने साकार किया, तो हमने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी। लाल किले पर आज कई विशेष महानुभाव उपस्थित हैं, दूर-सुदूर गांव के पंचायतों के सदस्य हैं, ड्रोन दीदी के प्रतिनिधि हैं, लखपति दीदी के प्रतिनिधि है, खेल जगत से जुड़े लोग हैं, राष्ट्र जीवन में कुछ ना कुछ देने वाले यहां महानुभाव उपस्थित हैं, एक प्रकार से यहां मेरी आंखों के सामने, मैं लघु भारत के दर्शन कर रहा हूं और टेक्नोलॉजी के माध्यम से विशाल भारत के साथ भी आज लाल किला जुड़ा हुआ है। मैं आजादी के इस महापर्व पर देशवासियों का, विश्व भर में फैले हुए भारत प्रेमियों का, हमारे मित्रों का, हृदय से बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं।

ऑपरेशन सिंदूर: आतंकी हेडक्वार्टर्स मिट्टी में मिले

आज 15 अगस्त का एक विशेष महत्व भी मैं देख रहा हूं। मुझे बहुत गर्व हो रहा है, आज मुझे लाल किले की प्राचीर से ऑपरेशन सिंदूर के वीर जांबाजों को सैल्यूट करने का अवसर मिला है। हमारे वीर जांबाज सैनिकों ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों ने आकर के जिस प्रकार का कत्लेआम किया, धर्म पूछ-पूछ करके लोगों को मारा गया, पत्नी के सामने पति को गोलियां दी, बच्चों के सामने अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया गया, पूरा हिंदुस्तान आक्रोश से भरा हुआ था, पूरा विश्व भी इस प्रकार के संहार से चौंक गया था।

ऑपरेशन सिंदूर उसी आक्रोश की अभिव्यक्ति है। 22 तारीख के बाद हमने हमारे सेना को खुली छूट दे दी। रणनीति वो तय करें, लक्ष्य वो तय करें, समय भी वो चुने और हमारी सेना ने वो करके दिखाया, जो कई दशकों तक कभी हुआ नहीं था। सैकड़ों किलोमीटर दुश्मन की धरती पर घुसकर के आतंकी हेडक्वार्टर्स को मिट्टी में मिला दिया, आतंकी इमारतों को खंडहर बना दिया। पाकिस्तान की नींद अभी भी उड़ी हुई है। पाकिस्तान में हुई तबाही इतनी बड़ी है कि रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं, नई-नई जानकारियां आ रही हैं।

आपातकाल: आज से 50 साल पहले भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया

जब हम लोकतंत्र की बात करते हैं, स्वतंत्र भारत की बात करते हैं, तब हमारा संविधान हमारे लिए सर्वोत्तम दीप स्तंभ होता है, हमारा प्रेरणा का केंद्र होता है, लेकिन आज से 50 साल पहले भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। भारत के संविधान की पीठ में छुरा घोंप दिया गया था, देश को जेल खाना बना दिया गया था, आपातकाल लगा दिया गया था, इमरजेंसी थोप दी गई थी। इमरजेंसी के 50 साल हो रहे हैं, देश की किसी भी पीढ़ी को संविधान की हत्या के इस पाप को कभी भूलना नहीं चाहिए। संविधान की हत्या करने वाले

पापियों को नहीं भूलना चाहिए और हमें भारत के संविधान के प्रति अपने समर्पण को और मजबूती देते हुए आगे बढ़ना चाहिए, वह हमारी प्रेरणा है।

पंच प्रण

मैंने इसी लाल किले से पंच प्रण की बात कही थी। मैं आज लाल किले से फिर से एक बार मेरे देशवासियों का पुनः स्मरण जरूर करना चाहता हूं। 'विकसित भारत' बनाने के लिए ना हम रुकेंगे, ना हम झुकेंगे, हम परिश्रम की पराकाष्ठा करते रहेंगे और अपनी आंखों के सामने 2047 में विकसित भारत बना करके रहेंगे।

हमारा दूसरा प्रण है कि हम हमारे जीवन में, हमारी व्यवस्थाओं में, हमारे नियम कानून परंपराओं में, गुलामी का एक भी कण अब बचने नहीं देंगे। हम हर प्रकार की गुलामी से मुक्ति पाकर के ही रहेंगे।

हम अपनी विरासत पर गर्व करेंगे। हमारी इस पहचान का सबसे बड़ा आभूषण, सबसे बड़ा गहना, सबसे बड़ा मुकुटमणि, हमारी विरासत है, हम विरासत का गर्व करेंगे।

इन सबके लिए एकता, यह मंत्र सबसे बड़ा शक्तिशाली मंत्र है और इसलिए एकता की डोर को कोई काट ना सके, यह हमारा सामूहिक संकल्प होगा।

'मां भारती' के प्रति कर्तव्य निभाना, यह पूजा से कम नहीं है, तपस्या से कम नहीं है, आराधना से कम नहीं है और उसी भाव से हम सब मातृभूमि के कल्याण के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को पार करने के लिए अपने आप को खपा देंगे, अपने आप को झोंक देंगे, जो भी सामर्थ्य हैं, कोई भी अवसर को छोड़ेंगे नहीं। इतना ही नहीं, नए अवसरों का निर्माण करेंगे और निर्मित करने के बाद हम 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से आगे बढ़ते ही रहेंगे, बढ़ते ही रहेंगे, बढ़ते ही रहेंगे।

अब हमने एक न्यू नॉर्मल स्थापित किया, आतंक को और आतंकी को पालने-पोसने वालों को, आतंकियों को ताकत देने वालों को, अब हम अलग-अलग नहीं मानेंगे

यहां प्रस्तुत है स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले के प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के मुख्य बिंदुः

- ✦ आजादी का यह महापर्व 140 करोड़ संकल्पों का पर्व है। आजादी का यह पर्व सामूहिक सिद्धियों का, गौरव का पल है और हृदय उमंग से भरा हुआ है। देश एकता की भावना को निरंतर मजबूती दे रहा है।
- ✦ 40 करोड़ देशवासी आज तिरंगे के रंग में रंगे हैं। हर घर तिरंगा, भारत के हर कोने से चाहे रेगिस्तान हो, या हिमालय की चोटियां, समुद्र के तट हो या घनी आबादी वाले क्षेत्र, हर तरफ से एक ही गूंज है, एक ही जयकारा है, हमारे प्राण से भी प्यारी मातृभूमि का जयगान है।
- ✦ पूज्य बापू के सिद्धांतों पर चलते हुए संविधान सभा के सदस्यों ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण दायित्व निभाया। भारत का संविधान जब 75 वर्ष से एक प्रकाश स्तंभ बनाकर के हमें मार्ग दिखाता रहा है।
- ✦ प्रकृति हम सब की परीक्षा ले रही है। पिछले कुछ दिनों में प्राकृतिक आपदाएं, भूस्खलन, बादलों का फटना, न जाने कितनी-कितनी आपदाएं हम झेल रहे हैं। पीड़ितों के साथ हमारी संवेदना है, राज्य सरकारें और केंद्र सरकार मिलकर के बचाव के काम, राहत के काम, पुनर्वासन के काम में पूरी शक्ति से जुटे हुए हैं।
- ✦ मुझे बहुत गर्व हो रहा है, आज मुझे लाल किले की प्राचीर से ऑपरेशन सिंदूर के वीर जांबाजों को सैल्यूट करने का अवसर मिला है। हमारे वीर जांबाज सैनिकों ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है।
- ✦ 22 तारीख के बाद हमने हमारे सेना को खुली छूट दे दी। रणनीति वो तय करें, लक्ष्य वो तय करें, समय भी वो चुने और हमारी सेना ने वो करके दिखाया, जो कई दशकों तक कभी हुआ नहीं था।

हमने एक न्यू नॉर्मल स्थापित किया

- ✦ अब हमने एक न्यू नॉर्मल स्थापित किया, आतंक को और आतंकी को पालने-पोसने वालों को, आतंकियों को ताकत देने वालों को, अब हम अलग-अलग नहीं मानेंगे।
- ✦ वो मानवता के समान दुश्मन हैं, उनके बीच कोई फर्क नहीं है। अब भारत ने तय कर लिया है कि इन न्यूक्लियर की धमकियों को अब हम सहने वाले नहीं हैं, न्यूक्लियर ब्लैकमेल लंबे अरसे से चला आया है, अब वो ब्लैकमेल नहीं सहा जाएगा।
- ✦ आगे भी अगर दुश्मनों ने ये कोशिश जारी रखी, हमारी सेना तय करेगी, सेना की शर्तों पर, सेना जो समय निर्धारित करे उस समय पर, सेना जो तौर तरीके तय करें उस तौर तरीके से, सेना जो लक्ष्य तय करे उस लक्ष्य को अब हम अमल में लाकर के रहने वाले हैं। हम मुंहतोड़ जवाब देंगे।
- ✦ अब भारत ने तय कर लिया है, खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। अब देशवासियों को भली-भांति पता चला है कि सिंधु का

समझौता कितना अन्यायपूर्ण है, कितना एकतरफा है। ये ऐसा समझौता था, जिसने पिछले 7 दशक से मेरे देश के किसानों का अकल्पनीय नुकसान किया है। अब हिंदुस्तान के हक का जो पानी है उस पर अधिकार सिर्फ और सिर्फ हिंदुस्तान का है, हिंदुस्तान के किसानों का है।

✦ भारत कतई सिंधु समझौते को, उस स्वरूप को दशकों तक सहा है, उस स्वरूप को आगे नहीं सहा जाएगा। किसान हित में, राष्ट्रहित में, यह समझौता हमें मंजूर नहीं है।

1200 से अधिक स्थानों पर खोज का अभियान चल रहा है और हम क्रिटिकल मिनरल में भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं

'विकसित भारत' का आधार भी है आत्मनिर्भर भारत

✦ एक राष्ट्र के लिए आत्मसम्मान की सबसे बड़ी कसौटी आज भी उसकी आत्मनिर्भरता है। 'विकसित भारत' का आधार भी है आत्मनिर्भर भारत। आत्मनिर्भरता का नाता हमारे सामर्थ्य से जुड़ा हुआ है और जब आत्मनिर्भरता खत्म होने लगती है, तो सामर्थ्य भी निरंतर क्षीण होता जाता है और इसलिए हमारे सामर्थ्य को बचाए रखने, बनाए रखने और बढ़ाए रखने के लिए आत्मनिर्भर होना बहुत अनिवार्य है!

✦ हमने ऑपरेशन सिंदूर में देखा है, मेड इन इंडिया की कमाल क्या थी। दुश्मन को पता तक ना चला कि कौन से शस्त्र-अस्त्र हैं, ये कौन सा सामर्थ्य है, जो पलक भर में उनको नष्ट कर रहा है।

✦ मेड इन इंडिया की शक्ति हमारे हाथ में थी, सेना के हाथ में थी, इसलिए बिना चिंता, बिना रुकावट, बिना हिचकिचाहट हमारी सेना अपना पराक्रम करती रही और यह पिछले 10 साल से लगातार डिफेंस के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर हम एक मिशन लेकर के चले हैं, उसके नतीजे आज नजर आ रहे हैं।

मिशन मोड में सेमीकंडक्टर का काम

✦ आज हमने मिशन मोड में सेमीकंडक्टर के काम को आगे बढ़ाया है। 6 अलग-अलग सेमीकंडक्टर के यूनिट्स जमीन पर उतर रहे हैं, चार नए यूनिट्स को हमने ऑलरेडी हरी झंडी दिखा दी है, ग्रीन सिग्नल दे दिया है। इसी वर्ष के अंत तक मेड इन इंडिया भारत की बनी हुई, भारत में बनी हुई, भारत के लोगों द्वारा बनी हुई मेड इन इंडिया चिप्स बाजार में आ जाएगी।

✦ हमने बीड़ा उठाया और आज 11 वर्ष में सोलर एनर्जी 30 गुना बढ़ चुकी है। हम नए-नए डेम बना रहे हैं, ताकि हाइड्रो का विस्तार हो और हमें क्लीन एनर्जी उपलब्ध हो। भारत मिशन ग्रीन हाइड्रोजन लेकर के आज हजारों करोड़ रुपए इन्वेस्ट कर रहा है।

✦ भविष्य की ऊर्जा को ध्यान में रखकर के, ऊर्जा के क्षेत्रों को ध्यान में रखकर के, भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर भी बहुत बड़े इनीशिएटिव ले रहा है। न्यूक्लियर एनर्जी में 10 नए न्यूक्लियर रिएक्टर तेजी से काम कर रहे हैं। 2047 तक, जोकि हमने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है; जब देश की आजादी के 100 साल होंगे, हम परमाणु ऊर्जा क्षमता 10 गुना से भी अधिक बढ़ाने का संकल्प लेकर के आगे बढ़ रहे हैं।

✦ हम न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में बहुत बड़े रिफॉर्म लेकर के आए हैं। अब हमने प्राइवेट सेक्टर के लिए भी परमाणु ऊर्जा को उसके द्वार खोल दिए हैं, हम **शक्ति को जोड़ना** चाहते हैं।

✦ भारत ने तय किया था कि हम 2030 तक क्लीन एनर्जी भारत में 50% पहुंचा देंगे। यह लक्ष्य हमारा 2030 तक था। मेरे देशवासियों का सामर्थ्य देखिए, मेरे देशवासियों की संकल्प शक्ति देखिए, मेरे देशवासियों को विकसित भारत बनाने का संकल्प को पूर्ण करने के लिए उनकी दौड़ देखिए, हमने जो लक्ष्य 2030 में तय किया था, वो 50% क्लीन एनर्जी का लक्ष्य 2025 में हमने कर लिया, 5 साल पहले हमने अचीव कर लिया।

भारत शुरू करने जा रहा है 'नेशनल डीप वाटर एक्सप्लोरेशन मिशन'

✦ हमारे समुद्र के मंथन को आगे बढ़ाते हुए हम समुद्र के भीतर के तेल के भंडार, गैस के भंडार, उसको खोजने की दिशा में एक मिशन मोड में काम करना चाहते हैं और इसलिए भारत नेशनल डीप वाटर एक्सप्लोरेशन मिशन शुरू करने जा रहा है। यह ऊर्जा इंडिपेंडेंट बनने के लिए यह हमारी महत्वपूर्ण घोषणा है।

✦ आज पूरा विश्व क्रिटिकल मिनरल को लेकर के बहुत ही सतर्क हो गया है, उसके सामर्थ्य को लोग भली-भांति समझने लगे हैं। हमारे लिए भी क्रिटिकल मिनरल्स में आत्मनिर्भरता बहुत अनिवार्य है। एनर्जी का सेक्टर हो, इंडस्ट्री का सेक्टर हो, रक्षा क्षेत्र हो, टेक्नोलॉजी का हर क्षेत्र हो, आज क्रिटिकल मिनरल्स की टेक्नोलॉजी के अंदर बहुत अहम भूमिका है और इसलिए नेशनल क्रिटिकल मिशन हमने लॉन्च किया है

✦ 1200 से अधिक स्थानों पर खोज का अभियान चल रहा है और हम क्रिटिकल मिनरल में भी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे

बढ़ रहे हैं।

- हमारे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेस स्टेशन से लौट चुके हैं और आने वाले कुछ दिनों में वो भारत भी आ रहे हैं। हम स्पेस में भी अपने दम पर आत्मनिर्भर भारत गगनयान की तैयारी कर रहे हैं। हम अपने बलबूते पर हमारा अपना स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में हम काम कर रहे हैं।
- पिछले दिनों स्पेस में जो रिफॉर्म किए गए, मुझे बहुत गर्व हो रहा है, मेरे देश के 300 से ज्यादा स्टार्टअप्स अब सिर्फ और सिर्फ स्पेस सेक्टर में काम कर रहे हैं और उन 300 स्टार्टअप्स में हजारों नौजवान पूरे सामर्थ्य के साथ जुटे हैं। ये है मेरे देश के नौजवानों की ताकत और ये है हमारा हमारे देश के नौजवानों के प्रति विश्वास।

मेरे देश के 300 से ज्यादा स्टार्टअप्स अब सिर्फ और सिर्फ स्पेस सेक्टर में काम कर रहे हैं और उन 300 स्टार्टअप्स में हजारों नौजवान पूरे सामर्थ्य के साथ जुटे हैं

फाइटर जेट्स के लिए जेट इंजन हमारा होना चाहिए

- आज मेरा लाल किले की प्राचीर से मेरे देश के युवा वैज्ञानिकों को, मेरे टैलेंटेड यूथ को, मेरे इंजीनियर्स को और प्रोफेशनल्स को और सरकार के हर विभागों को भी मेरा आह्वान है, क्या हमारा अपना मेड इन इंडिया फाइटर जेट्स के लिए जेट इंजन हमारा होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए?
- हम फार्मा ऑफ द् वर्ल्ड माने जाते हैं। वैक्सीन में हम नए-नए विक्रम स्थापित करते हैं, लेकिन क्या समय की मांग नहीं है कि हम रिसर्च और डेवलपमेंट में और ताकत लगाएं, हमारे अपने पेटेंट हो, हमारे अपनी बनाई हुई मानव जाति के कल्याण की सस्ती से सस्ती और सबसे कारगर नई-नई दवाइयों की शोध हो और संकट में साइड इफेक्ट के बिना मानव जाति के कल्याण में काम आए।
- BioE3 पॉलिसी भारत सरकार ने बनाई है, मैं देश के नौजवानों को कहता हूं आइए, BioE3 पॉलिसी का अध्ययन करके आप कदम उठाइए, देश का भाग्य बदलना है, आपका सहयोग चाहिए।
- दुनिया को हमने दिखा दिया है, यूपीआई का हमारा अपना प्लेटफार्म आज दुनिया को अजूबा कर रहा है। हमारे में सामर्थ्य है रियल टाइम ट्रांजेक्शन में 50% अकेला भारत यूपीआई के माध्यम से कर रहा है। मेरे देश के किसान भी फर्टिलाइजर का सही उपयोग करके धरती माता की सेवा कर सकते हैं।

आने वाला युग ईवी (EV) का है

- आने वाला युग ईवी (EV) का है। अब ईवी बैटरी क्या हम नहीं बनाएंगे, हम निर्भर रहेंगे। सोलर पैनल की बात हो, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल्स के लिए जिन-जिन चीजों की आवश्यकताएं हैं, वो हमारी अपनी होनी चाहिए।
- कोविन प्लेटफार्म हमारा अपना होना चाहिए, देश ने करके दिखाया। करोड़ों-करोड़ों लोगों की जिंदगी बचाने का काम हमने किया है। पिछले 11 साल में एंटरप्रेन्योरशिप उद्यमशीलता को बहुत बड़ी ताकत मिली। आज लाखों स्टार्टअप टीयर-2, टीयर-3 सिटी में देश की अर्थशक्ति को, देश के इनोवेशन को ताकत दे रहे हैं।
- उसी प्रकार से मुद्रा योजना से हमारे देश के करोड़ों नौजवान, उसमें भी हमारी बेटियां, करोड़ों-करोड़ों लोग मुद्रा से लोन लेकर के अपना खुद का कारोबार कर रहे हैं। पिछले 10 साल में वूमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप ने कमाल करके दिखाया। आज उनका प्रोडक्ट दुनिया के बाजार में जाने लगे हैं।
- मैंने एक बार 'मन की बात' में खिलौने की बात कही थी। हम करोड़ों-करोड़ों रुपए के खिलौने विदेश से लाते थे। मैंने ऐसे ही मन की बात में कहा कि अरे मेरे देश के नौजवानों ऐसा भी करेंगे क्या, खिलौने भी बाहर से लाएंगे और आज मैं गर्व से कहता हूं कि मेरा देश खिलौने एक्सपोर्ट करने लग गया है।
- मैं देश के युवाओं से कहता हूं— आइए, आप इनोवेटिव आइडियाज लेकर के आए, अपने आइडियाज को मरने मत देना दोस्तो, आज का आपका आईडिया हो सकता है आने वाली पीढ़ी का भविष्य बना सकता है। मैं आपके साथ खड़ा हूं, मैं आपके लिए काम करने के लिए तैयार हूं, आपका साथी बनकर काम करने को तैयार हूं। आप आइए, हिम्मत जुटाइए, इनीशिएटिव लीजिए।

जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट

- आज नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन पर बहुत तेजी से काम हो रहा है। हमारे MSMEs उसका लोहा दुनिया मानती है, जो दुनिया में बड़ी-बड़ी चीजें बनती हैं ना, कुछ ना कुछ तो औजार हमारे देश के MSMEs के द्वारा जाते हैं। बड़े गर्व के साथ जाते हैं, लेकिन हम कंप्रिहेंसिव इंटीग्रेटेड विकास की राह पर जाना चाहते हैं और इसलिए उनकी शक्ति बढ़े और उसमें भी मैंने पहले एक बार लाल किले से कहा था, 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट।'

- हम सभी जो उत्पादन के क्षेत्र में लगे हैं, उन सबका मंत्र होना चाहिए, दाम कम लेकिन दम ज्यादा। हमारी हर प्रोडक्ट का दम ज्यादा हो, लेकिन दाम कम हो, इस भाव को लेकर के हमें आगे बढ़ना है।
- आज समय की मांग है, स्वतंत्र भारत का मंत्र लेकर के जीने वालों ने हमें स्वतंत्र भारत दिया। आज 140 करोड़ देशवासियों का एक ही मंत्र होना चाहिए—समृद्ध भारत। मैं सभी राजनीतिक दलों को, राजनेताओं को, सबसे कहता हूं कि आइए, यह किसी राजनीतिक दल का एजेंडा नहीं है, भारत हम सब का है, हम मिलकर के वोकल फॉर लोकल, उस मंत्र को हर नागरिक के जीवन का मंत्र बनाएं।
- भारत में बनी हुई, भारत के नागरिकों के पसीने से बनी हुई वो चीजें, जिसमें भारत की मिट्टी की महक हो और जो भारत की आत्मनिर्भरता के संकल्प को ताकत देता हो, हम उसी को खरीदेंगे, हम उसी का उपयोग करेंगे, हम उस दिशा में आगे आएं, यह हमारा सामूहिक संकल्प हो, देखते ही देखते हम दुनिया बदल देंगे दोस्तों।
- मैं चाहता हूं, देश में ऐसे व्यापारी आगे आएं, ऐसे दुकानदार आएं कि यहां स्वदेशी माल बिकता है, वो बोर्ड लगाए। हम स्वदेशी का गर्व करने लगें, हम स्वदेशी मजबूरी में नहीं, मजबूती के साथ उपयोग करेंगे। मजबूती के लिए उपयोग करेंगे और जरूरत पड़ी तो औरों को मजबूर करने के लिए उपयोग करेंगे, यह हमारी ताकत होनी चाहिए।

बीता दशक रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफार्म का रहा

- बीता दशक रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफार्म का रहा है, लेकिन अब हमें और नई ताकत से जुड़ना है। पिछले दिनों हमने कई रिफॉर्म्स किए हैं, एफडीआई हो, इंश्योरेंस कंपनी की बात हो, विश्व की यूनिवर्सिटीज को भारत के अंदर स्थान देने की बात हो, कई रिफॉर्म्स किए हैं।
- 40,000 से ज्यादा अनावश्यक कंप्लायंसेस को हमने खत्म किया है। इतना ही नहीं, 1500 से अधिक पुराने कानून जो बाबा आदम के जमाने के थे, उन सबको हमने खत्म कर दिया है। हमने दर्जनों कानूनों को सरल करने के लिए संसद में जाकर के जनता के हितों को सर्वोपरि रख करके बदलाव किए हैं।
- लेकिन एक बहुत बड़ा रिफॉर्म इनकम टैक्स एक्ट में हुआ है। करीब 280 से ज्यादा धाराएं हमने समाप्त करने का निर्णय किया है और सिर्फ आर्थिक मोर्चे पर ही रिफॉर्म नहीं, हमने नागरिक के जीवन को भी आसान बनाने के लिए रिफॉर्म किए हैं। इनकम टैक्स रिफंड की बात हो, रिफॉर्म का परिणाम है। कैशलेस असेसमेंट की बात हो, रिफॉर्म का परिणाम है।
- 12 लाख रुपए तक आज इनकम टैक्स से मुक्ति दे देना, देश का जो भविष्य बनाने में उत्सुक है ऐसे मेरा मध्यम वर्ग का परिवार, आज फुला नहीं समा रहा है। जब देश का सामर्थ्य बढ़ता है, तो देशवासियों को लाभ मिलता है। अंग्रेजों के जमाने से दंड संहिता में हम दबे पड़े थे, दंड का भय दिखाकर के जीवन चल रहा था, 75 साल आजादी के ऐसे ही गए, हमने दंड संहिता को खत्म कर दिया, न्याय संहिता को ले आए हैं। न्याय संहिता में भारत के नागरिक के प्रति विश्वास का भाव है।
- मैं देश के लिए कर रहा हूं, मैं मेरे लिए नहीं कर रहा हूं, किसी का बुरा करने के लिए नहीं कर रहा हूं। मेरे राजनीतिक दल, मेरे प्रतिस्पर्धी साथी भी देश के इस उज्ज्वल भविष्य के लिए आगे आएं, हमारा साथ दें।

नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स

- स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स की बात हो, रेगुलेटरी रिफॉर्म्स की बात हो, पॉलिसी रिफॉर्म की चर्चा हो, प्रोसेस रिफॉर्म की चर्चा हो, कांस्टीट्यूशनल रिफॉर्म करने की जरूरत हो, हर प्रकार के रिफॉर्म्स, ये आज हम मकसद बनाकर के चले हैं। नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स के लिए हमने एक टास्क फोर्स गठित करने का निर्णय किया है। यह टास्क फोर्स समय सीमा में इस काम को पूरा करें।
- हमारे स्टार्टअप्स हो, हमारे लघु उद्योग हो, हमारे गृह उद्योग हो, उन उद्यमियों को उनकी कंप्लायंस कॉस्ट बहुत कम हो जाएगी और उसके कारण उनको एक नई ताकत मिलेगी। जो एक्सपोर्ट की दुनिया में उनको लॉजिस्टिक सपोर्ट के कारण, व्यवस्थाओं में बदलाव के कारण उनको एक बहुत बड़ी ताकत मिलेगी।
- ऐसे-ऐसे कानून हैं हमारे देश में, छोटी-छोटी चीजों के लिए जेल में डालने के कानून हैं, आप हैरान हो जाएंगे, किसी ने नजर नहीं दौड़ाई। मैं पीछे लगा हूं, ये मेरे देश के नागरिकों को जेल में बंद करने वाले जो अनावश्यक कानून हैं, वो खत्म होने चाहिए। हम संसद में पहले भी बिल लाए थे, इस बार भी लेकर के आए हैं।
- हम नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लेकर के आ रहे हैं, ये दिवाली के अंदर आपके लिए तोहफा बन जाएंगे, सामान्य मानवीय की जरूरत के टैक्स भारी मात्रा में कम कर दिए जाएंगे, बहुत बड़ी सुविधा बढ़ेगी।

✦ हमारे एमएसएमई, हमारे लघु उद्यमी, इनको बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की चीजें बहुत सस्ती हो जाएगी और उससे इकोनॉमी को भी एक नया बल मिलने वाला है। आज देश तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

हमारे मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स बहुत मजबूत

✦ आज इन्फ्लेशन कंट्रोल में है, फॉरेक्स एक्सचेंज रिजर्व हमारे बहुत मजबूत हैं, हमारे मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स बहुत मजबूत हैं, ग्लोबल रेटिंग एजेंसी भी लगातार भारत की सराहना करती है, भारत की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा से ज्यादा विश्वास व्यक्त कर रही है।

✦ यह बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था का लाभ मेरे देश के गरीबों को मिले, मेरे देश के किसानों को मिले, मेरे देश की नारी शक्ति को मिले, मेरे देश के मध्यम वर्ग को मिले, मेरे देश के विकास धारा को ताकत देने वाला बने, उस दिशा हम नए प्रयास कर रहे हैं।

✦ आज 15 अगस्त के ही दिन मेरे देश के युवाओं के लिए एक लाख करोड़ रुपए की योजना हम लागू कर रहे हैं। आज से 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' आज ही 15 अगस्त को लागू हो रही है, ये आपके लिए बहुत खुशखबरी है।

✦ इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहले नौकरी पाने वाले नौजवान को, बेटे-बेटी को 15,000 रुपए सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। कंपनियों को भी नए रोजगार देने के अवसर जो भी ज्यादा जुटाएगा, उनको भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना करीब-करीब साढ़े तीन करोड़ नौजवानों को रोजगार के नए अवसर बनाएगी।

✦ देश गर्व से भर गया, जब एनडीए की वूमेन कैंडिडेट्स का पहला पास आउट हुआ था, पूरा देश गर्व से भर गया था, सारे टीवी चैनल उसी के पीछे लगे हुए थे। सेल्फ हेल्प ग्रुप, 10 करोड़ सेल्फ हेल्प ग्रुप के बहनें, क्या कमाल कर रही हैं। नमो ड्रोन दीदी नारी शक्ति एक नई पहचान बनी।

✦ हमने 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया था। और मुझे संतोष है कि हम तेज गति से कम कर रहे हैं। समय से पहले 3 करोड़ का लक्ष्य पा कर लेंगे और आज मैं खुशी से देश को बताना चाहता हूं कि मेरी नारी शक्ति का सामर्थ्य देखिए, देखते ही देखते दो करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

आज इन्फ्लेशन कंट्रोल में है, फॉरेक्स एक्सचेंज रिजर्व हमारे बहुत मजबूत हैं, हमारे मैक्रोइकोनॉमिक इंडिकेटर्स बहुत मजबूत हैं, ग्लोबल रेटिंग एजेंसी भी लगातार भारत की सराहना करती है

आज भारत दूध, दाल, जूट जैसे उत्पादन में नंबर वन

✦ पिछले साल अनाज के उत्पादन में मेरे देश के किसानों ने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, ये सामर्थ्य है मेरे देश का। उतनी ही जमीन लेकिन व्यवस्थाएं बदलीं, पानी पहुंचने लगा, अच्छे सीड्स मिलने लगे, किसानों को अच्छी सुविधाएं मिलने लगी हैं, तो वो अपना सामर्थ्य देश के लिए बढ़ा रहा है।

✦ आज भारत दूध, दाल, जूट जैसे उत्पादन में नंबर वन है दुनिया में। आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फिश प्रोड्यूसर मेरे मछुआरे भाई-बहनों की ताकत देखिए, फिश प्रोड्यूसर में दुनिया में हम दूसरे नंबर पर पहुंच चुके हैं। आज भारत चावल, गेहूं, फल और सब्जी के उत्पादन में भी दुनिया में दूसरे नंबर पर पहुंच चुका है।

✦ आपको खुशी होगी मेरे देश के किसान जो पैदा करते हैं आज वह उत्पादन दुनिया के बाजार में पहुंच रहा है। 4 लाख करोड़ रुपए का एग्रो प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट हुआ है।

किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के संबंध में कभी भी कोई समझौता स्वीकार नहीं

✦ भारत के किसान, भारत के पशुपालक, भारत के मछुआरे, ये हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारत के किसान, भारत के मछुआरे, भारत के पशुपालक, उनसे जुड़ी किसी भी अहितकारी नीति के आगे मोदी दीवार बनके खड़ा है। भारत अपने किसानों, अपने पशुपालकों, अपने मछुआरों के संबंध में कभी भी कोई समझौता नहीं स्वीकार करेगा।

✦ दलित हो, पीड़ित हो, शोषित हों, वंचित हों, उनके लिए सकारात्मक रूप से सरकारें प्रो एक्टिव हो, सरकारें प्रो पीपल हो, उस दिशा में हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। सामाजिक न्याय का अगर कोई सच्चा से सच्चा एक्जीक्यूशन है, तो सैचुरेशन में है, जिसमें कोई हकदार छूटे नहीं, हकदार के घर तक सरकार जाए और उसे अपने हक की चीजें मिले, उसके लिए हम काम कर रहे हैं।

✦ आयुष्मान भारत ने बीमारी को सहने की आदत से मुक्ति दिलाने का

और उनको अच्छे स्वास्थ्य के लिए मदद करने का काम और जब हम वरिष्ठ नागरिकों को 5,00,000 रुपए से ज्यादा मदद करके उनके आरोग्य की चिंता करते हैं।

पीएम आवास: 4 करोड़ गरीबों को घर मिला

- आज पीएम आवास— 4 करोड़ गरीबों को घर मिलना, मतलब जिंदगी के नए सपने वहां बसते हैं। वो सिर्फ चार दीवारें नहीं है। रेहड़ी पटरी वालों के लिए पीएम स्वनिधि योजना जो कभी ब्याज के चक्कर में फंसा रहता था, आज पीएम स्वनिधि से रेहड़ी पटरी वाला भी और आपने देखा होगा वह यूपीआई से पैसे लेता है, यूपीआई से पैसे देता है।
- गरीबी हटाओ के नारे देश ने बहुत सुने हैं, लाल किले से भी सुने हैं और देश सुन-सुन करके थक गया था और देश ने मान लिया था कि गरीबी हट नहीं सकती है। लेकिन जब हम योजनाओं को गरीब के घर तक ले जाते हैं, विश्वास को गरीब के मन में हम पैदा करते हैं, तो मेरे देश के 25 करोड़ गरीब, गरीबी को परास्त करके, गरीबी से बाहर निकल करके एक नया इतिहास बनाते हैं। आज 10 वर्ष में 25 करोड़ से ज्यादा गरीब गरीबी को परास्त करके गरीबी से बाहर निकले है और एक नियो मिडिल क्लास तैयार हुआ है।
- यह नियो मिडिल क्लास और मिडिल क्लास एक ऐसी जुगलबंदी है, जिसमें एस्पिरेशन भी है, एफर्ट्स भी हैं, वह देश को आगे बढ़ाने के लिए बहुत बड़ा सामर्थ्य बनने वाली है।

पिछड़े को प्राथमिकता

- बहुत ही निकट भविष्य में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले जी की 200वीं जयंती आ रही है। हम उस जयंती के समारोह शुरू करने जा रहे हैं और महात्मा ज्योतिबा फुले के सिद्धांत, उन्होंने जो मंत्र दिए उसमें हमारे लिए प्रेरणा है— पिछड़े को प्राथमिकता।
- रेहड़ी पटरी वालों के लिए स्वनिधि योजना हो या हमारे हुनर वाले हाथ से काम करने वाले विश्वकर्मा योजना की बात हो, आदिवासी में भी जो पिछड़े रह गए हैं उनके लिए पीएम जन मन की योजना की बात हो, हमारे पूर्वी भारत को विकास में पूरे देश के अंदर बराबरी में लाना और उनको नेतृत्व देने की दिशा में काम हो, हम सिर्फ समाज पिछड़े हो, उनकी चिंता में अटकने वाले नहीं है, जो क्षेत्र पिछड़े हैं, उनको भी हम प्राथमिकता देना चाहते हैं।
- जो जिले पिछड़े रहे हैं हम उनको प्राथमिकता देना चाहते हैं, जो ब्लॉक पिछड़े रहे हैं उनको प्राथमिकता देना चाहते हैं, हमने 100 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट, 500 एस्पिरेशनल ब्लॉक उसी मिशन में काम किया है। हमने पूर्वी भारत के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए के इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट पर बल दिया है।
- खेल को बढ़ावा देने के लिए हमने नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी, कई दशकों के बाद हम देश में खेलो भारत नीति को लेकर के आए हैं, ताकि ये खेल जगत का सर्वांगीण विकास का प्रयास हो।

हमें मोटापे से बचाना है

- हमें मोटापे से बचाना है, ओबेसिटी से बचाना है और इसलिए मैंने, बाकी सब करना पड़ेगा, लेकिन एक छोटा सा सुझाव दिया था कि परिवार तय करें कि जब खाने का तेल घर में आएगा 10 परसेंट कम ही आएगा और 10 परसेंट कम ही उपयोग करेंगे और ओबेसिटी के खिलाफ लड़ाई को जीतने की दिशा में हम अपना योगदान देंगे।
- आज ये वर्ष गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी वर्ष है, देश की संस्कृति की रक्षा, भारत के मूल्यों की रक्षा के लिए उन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। मैं आज उनको नमन करता हूं।
- हमने प्रयागराज के महाकुंभ में देखा है, भारत की विविधता को कैसे जीया जाता है। हमारा देश भाषाओं की विविधता से बहुत ही भरा हुआ है, पुलकित है और इसलिए हमने मराठी, असमिया, बांग्ला, पाली, प्राकृत को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा दिया है।
- सेवा, समर्पण, संगठन और अप्रतिम अनुशासन यह जिसकी पहचान रही है, ऐसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का यह सबसे बड़ा एनजीओ है एक प्रकार से; 100 साल का उसका समर्पण का इतिहास है। मैं आज यहां लाल किले के प्राचीर से 100 साल की इस राष्ट्र सेवा की यात्रा में योगदान करने वाले सभी स्वयंसेवकों को आदरपूर्वक स्मरण करता हूं और देश गर्व करता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इस 100 साल की भव्य, समर्पित यात्रा को और हमें प्रेरणा देता रहेगा।

जो क्षेत्र कभी रेड कॉरिडोर, आज वही विकास के ग्रीन कॉरिडोर

- एक समय था, कभी सवा सौ से ज्यादा जिलों में नक्सलवाद अपनी जड़ें जमा चुका था। माओवाद की चंगुल में हमारे जनजातीय क्षेत्र, हमारे जनजातीय नौजवान फंसे हुए थे और आज सवा सौ जिलों में से कम होते-होते हम 20 पर ले आए हैं। जो क्षेत्र कभी रेड कॉरिडोर के रूप में जाने जाते थे, वह आज विकास के ग्रीन कॉरिडोर बन रहे हैं, हमारे लिए गर्व की बात है। भारत के नक्शे में जिन क्षेत्रों को लहू-लुहान कर दिया गया था, लाल रंग से रंग दिया गया था, हमने वहां संविधान, कानून और विकास का तिरंगा फहरा दिया है।
- यह भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का अवसर है, तब इन जनजातीय क्षेत्रों को नक्सल से मुक्त करके, मेरे जनजातीय परिवार के नौजवानों की जिंदगी बचा करके, हमने भगवान बिरसा मुंडा को एक सच्ची श्रद्धांजलि दी है।
- मैं आज देश के सामने एक चिंता, एक चुनौती के संबंध में आगाह करना चाहता हूं। षड्यंत्र के तहत, सोची समझी साजिश के तहत देश की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। एक नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं और यह घुसपैठिए मेरे देश के नौजवानों के रोजी-रोटी छीन रहे हैं।
- हमने एक हाई पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का निर्णय किया है। यह मिशन, इस मिशन के द्वारा यह जो भीषण संकट नजर आ रहा है, भारत पर मंडरा रहा है यह जो संकट है, उसको निपटाने के लिए तय समय में सुविचारित निश्चित रूप से अपने कार्य को करेगा, उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

भारत युद्ध के हर नए तौर-तरीकों से निपटने में समृद्ध

- जब मुझे भगवान श्री कृष्ण याद आते हैं, तो हम देख रहे हैं कि पूरे विश्व में आज युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं। हमने देखा है कि भारत युद्ध के हर नए तौर-तरीकों से निपटने में समृद्ध है। हमने ऑपरेशन सिंदूर में ये दिखा दिया है, टेक्नोलॉजी में जो भी महारत थी।
- पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों पर, हमारे एयरबेस पर, हमारे संवेदनशील स्थानों पर, हमारे आस्था के केंद्रों पर, हमारे नागरिकों पर मिसाइल्स, ड्रोन अनगिनत मात्रा में उन्होंने वार किया। देश ने देखा है, लेकिन देश को सुरक्षित रखने के जो प्रयास पिछले 10 साल में हुए हैं, उस ताकत का परिणाम था कि उनके हर हमले को हमारे जाबाजों ने और हमारी टेक्नोलॉजी ने तिनके की तरह बिखेर दिया।
- रत्ती भर नुकसान नहीं कर पाए और इसलिए जब युद्ध के मैदान में टेक्नोलॉजी का विस्तार हो रहा है, टेक्नोलॉजी हावी हो रही है, तब राष्ट्र की रक्षा के लिए, देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हमने जो आज महारत पाई है, उस महारत का और विस्तार करने की जरूरत है। हमने आज जो महारत पाई है, उसको लगातार अपग्रेड करते रहने की आवश्यकता है।

> **षड्यंत्र के तहत, सोची समझी साजिश के तहत देश की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। एक नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं और यह घुसपैठिए मेरे देश के नौजवानों के रोजी-रोटी छीन रहे हैं**

सुदर्शन चक्र मिशन

- मैं आज लाल किले की प्राचीर से कह रहा हूं, आने वाले 10 साल में, 2035 तक राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण स्थलों, जिनमें सामरिक के साथ-साथ सिविलियन क्षेत्र भी शामिल हैं, जैसे अस्पताल हो, रेलवे हो, जो भी आस्था के केंद्र हो, उन्हें टेक्नोलॉजी के नए प्लेटफॉर्म द्वारा पूरी तरह सुरक्षा का कवच दिया जाएगा।
- इसलिए भगवान श्री कृष्ण से प्रेरणा पाकर के हमने श्री कृष्ण का जो सुदर्शन चक्र था, उस सुदर्शन चक्र की राह को चुना है। अब देश सुदर्शन चक्र मिशन लॉन्च करेगा। यह मिशन सुदर्शन चक्र एक पावरफुल वेपन सिस्टम दुश्मन के हमले को न्यूट्रलाइज तो करेगा ही करेगा, लेकिन कई गुना ज्यादा दुश्मन पर हिट बैक करेगा।
- हम इस सुदर्शन चक्र के द्वारा भी टारगेटेड प्रिसाइज़ एक्शन के लिए भी व्यवस्था को विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे और इसलिए युद्ध के बदलते तौर-तरीकों में राष्ट्र की सुरक्षा, नागरिकों की सुरक्षा के लिए मैं बड़ी प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए वचन देता हूं।

2047 में 'विकसित भारत' बना करके रहेंगे

- मैंने इसी लाल किले से पंच प्रण की बात कही थी। मैं आज लाल किले से फिर से एक बार मेरे देशवासियों का पुनः स्मरण जरूर करना चाहता हूं। विकसित भारत बनाने के लिए ना हम रुकेंगे, ना हम झुकेंगे, हम परिश्रम की पराकाष्ठा करते रहेंगे और अपनी आंखों के सामने 2047 में 'विकसित भारत' बना करके रहेंगे।
- 'मां भारती' के प्रति कर्तव्य निभाना, यह पूजा से कम नहीं है, तपस्या से कम नहीं है, आराधना से कम नहीं है और उसी भाव से हम सब मातृभूमि के कल्याण के लिए, परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को पार करने के लिए अपने आप को खपा देंगे, अपने आप को झोंक देंगे, जो भी सामर्थ्य हैं, कोई भी अवसर को छोड़ेंगे नहीं। इतना ही नहीं, नए अवसरों का निर्माण करेंगे और निर्मित करने के बाद हम 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से आगे बढ़ते ही रहेंगे, बढ़ते ही रहेंगे, बढ़ते ही रहेंगे। हमें याद रखना है, 140 करोड़ देशवासियों को याद रखना है, परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है। जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है और समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है। ■

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दृढ़ इरादे के साथ पूरा करेंगे : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 अगस्त, 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में झंडारोहण किया और कार्यक्रम को संबोधित किया। झंडारोहण के पश्चात् श्री नड्डा ने पार्टी और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से पूरे देश को 79वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेताओं सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि यह आजादी भारत को लाखों-करोड़ों देशभक्त, बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से मिली है। उन्होंने अपना सर्वस्व समर्पित कर, तपस्या और संघर्ष के माध्यम से देश को यह स्वतंत्रता दिलाई। इसलिए आज के दिन उनका स्मरण करना पूरे देश की जिम्मेदारी है। देश उनके प्रति कृतज्ञ है और उन्हें पूर्ण विनम्रता और सम्मान के साथ याद करता है।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश के नाम संदेश दिया। उनका संदेश निश्चित रूप से 140 करोड़ देशवासियों को प्रेरणा, दिशा और मार्गदर्शन देने के साथ आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता भी देते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्टता के साथ कहा कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं बल्कि समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनेगा। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एक मजबूत और अग्रसर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है। जब दुनिया आर्थिक संकट और उथल-पुथल से गुजर रही है, तब भारत स्थिर और सशक्त अर्थव्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है।

श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आग्रह को पार्टी कार्यकर्ताओं तक पहुंचाते हुए कहा कि आज 79वां स्वतंत्रता दिवस के

अवसर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 में विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए तीन बातों पर जोर दिया है। पहली बात, आत्मनिर्भर भारत बनने की। देश की निर्भरता समाप्त होनी चाहिए, इसलिए देश के विचार, सोच, कार्य और दिशा में आत्मनिर्भरता झलकनी चाहिए। दूसरी बात, स्वदेशी के प्रति आग्रह की। यदि देश को आगे बढ़ना है तो स्वदेशी वस्तुओं, विचारधारा और व्यवस्था के प्रति आग्रह होना आवश्यक है। देश के हर नागरिक को इसे अपनाकर और बढ़ावा देकर देश के विकास में योगदान देना होगा। तीसरी बात, अनावश्यक और आम नागरिक के लिए कष्टदायक हो चुके कानूनों से छुटकारा पाने की। विकसित भारत को तीव्र गति देने के लिए कानूनों में सरलीकरण लाना आवश्यक है।

श्री नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से इन संकल्पों को आगे बढ़ाने का अनुरोध करते हुए विश्वास जताया कि सभी कार्यकर्ता इस दिशा में गंभीरता से कार्य करेंगे, इसे आगे बढ़ाएंगे और भारत को समृद्ध तथा विकसित राष्ट्र बनाने के अपने संकल्प को दृढ़ इरादे के साथ पूरा करेंगे। ■

सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार घोषित

नामांकन किया दाखिल

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 17 अगस्त, 2025 को महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सीपी राधाकृष्णन को आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 09 सितंबर, 2025 को होगा।

यह घोषणा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। श्री नड्डा ने कहा, "संसदीय बोर्ड की बैठक में हमने सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार श्री सीपी राधाकृष्णन का नाम तय किया। हमने पहले भी अपने सभी सहयोगी दलों (एनडीए) के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर चर्चा की थी। उपराष्ट्रपति चुनाव को सुचारू रूप से चलाने के लिए हम विपक्षी दल से भी चर्चा करेंगे..."

श्री चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के 24वें राज्यपाल हैं, यह पद उन्होंने 31 जुलाई, 2024 को ग्रहण किया। इससे पहले वह फरवरी, 2023 से जुलाई, 2024 तक झारखंड के राज्यपाल रहे। उन्होंने मार्च और जुलाई 2024 के बीच तेलंगाना

थिरु सीपी राधाकृष्णन जी ने अपने समर्पण, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से विशिष्ट पहचान बनाई है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, "अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में थिरु सीपी राधाकृष्णन जी ने अपने समर्पण, विनम्रता और बुद्धिमत्ता से विशिष्ट पहचान बनाई है। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने हमेशा सामुदायिक सेवा और हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने पर ध्यान दिया है। उन्होंने तमिलनाडु में जमीनी स्तर पर व्यापक कार्य किया है। मुझे प्रसन्नता है कि एनडीए परिवार ने उपराष्ट्रपति पद के लिए उन्हें हमारे गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में नामित करने का निर्णय लिया है।"

"थिरु सीपी राधाकृष्णन जी को सांसद और विभिन्न राज्यों के राज्यपाल के रूप में समृद्ध अनुभव प्राप्त है। संसदीय मामलों में उनके हस्तक्षेप हमेशा प्रभावशाली रहे। राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आम नागरिकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों के समाधान पर ध्यान दिया। इन अनुभवों ने सुनिश्चित किया कि उन्हें विधायी और संवैधानिक मामलों का व्यापक ज्ञान है। मुझे विश्वास है कि वे प्रेरक उपराष्ट्रपति साबित होंगे।"

उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "आज संसदीय बोर्ड की बैठक में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नेता एवं वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री सीपी राधाकृष्णन जी को एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाए जाने पर मुझे सुखद अनुभूति हो रही है।

मैं उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।"

राधाकृष्णनजी ने अपना जीवन लोगों की सेवा में समर्पित किया: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में श्री थिरु सीपी राधाकृष्णन जी को बधाई। उन्होंने अपना जीवन जनता की सेवा में समर्पित कर दिया है। वह कड़ी मेहनत कर जमीन से उठे हैं और अपने विशाल प्रशासनिक अनुभव, बुद्धिमत्ता और गतिशीलता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की सेवा भी की है। मुझे विश्वास है कि वह हमारे देश के एक महान उपराष्ट्रपति साबित होंगे।"

सीपी राधाकृष्णनजी का विशाल अनुभव और ज्ञान उच्च सदन की गरिमा बढ़ाएगा: अमित शाह

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक सांसद और विभिन्न राज्यों के राज्यपाल के रूप में श्री सीपी राधाकृष्णन की भूमिकाओं ने संवैधानिक कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे विश्वास है कि उनका विशाल अनुभव और ज्ञान उच्च सदन की गरिमा बढ़ाएगा और नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा संसदीय बोर्ड के सभी सदस्यों का इस निर्णय के लिए आभार।

के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। वरिष्ठ भाजपा नेता श्री राधाकृष्णन कोयंबटूर से दो बार लोकसभा के लिए चुने गए। साथ ही वह भाजपा, तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष भी रहे।

चुनाव आयोग ने बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। ■

एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने नामांकन दाखिल किया

एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार श्री सीपी राधाकृष्णन ने 20 अगस्त, 2025 को संसद भवन में अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, श्री किरेन रिजिजू एवं एनडीए नेता लोजपा (आर) के श्री चिराग पासवान, जनता दल (यू) के श्री राजीव रंजन सिंह, एनसीपी के श्री प्रफुल्ल पटेल आदि उपस्थित रहे।

सीपी राधाकृष्णन का जीवन परिचय

पूरा नाम	चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन
जन्मतिथि	श्री राधाकृष्णन का जन्म 20 अक्टूबर, 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में श्री सीके पोन्नुसामी एवं श्रीमती के. जानकी के घर हुआ था।
शिक्षा	उन्होंने तमिलनाडु के थूथुकुडी के वी.ओ. चिदंबरम कॉलेज से बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) की डिग्री ली।
जुड़ाव	16 वर्ष की आयु से ही श्री राधाकृष्णन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनसंघ जैसे संगठनों से जुड़े रहे हैं।
प्रमुख राजनीतिक दायित्व	◆ भाजपा तमिलनाडु प्रदेश मंत्री (1996) रहे। ◆ श्री राधाकृष्णन वर्ष 1998 एवं 1999 में कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए लोकसभा के लिए चुने गए। ◆ वह 2004 से 2006 तक भारतीय जनता पार्टी तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष रहे। ◆ वह भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे। ◆ भाजपा केरल प्रदेश प्रभारी (2020-22) रहे।
प्रशासनिक दायित्व	वह 2016 से 2020 तक भारतीय कॉयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे।
राज्यपाल	◆ वह झारखंड के राज्यपाल (2023-24) रहे। ◆ 19 मार्च, 2024 में उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल एवं पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया। ◆ वह महाराष्ट्र के राज्यपाल (2024-वर्तमान) बने।
एनडीए नामांकन	भारत के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार (2025) घोषित हुए ■

'आप जब तक सुनेंगे, तब तक मैं बोलूंगा'

संजय सेठ

अटल जी... यह नाम जो कोई भी सुनता है या बोलता है उसके मन में इस विराट व्यक्तित्व के प्रति बहुत ही गहरी छाप बन जाती है। व्यक्तित्व ऐसा जिन्होंने अपने कृतित्व से किसी भी पद से बड़ा खुद के कद को रखा। कवि के रूप में खुलकर कविताएं लिखीं। पत्रकार के रूप में काम किया तो राष्ट्रहित के लिए लिखते रहे। संघ प्रचारक के रूप में काम किया तो समाज के लिए समर्पित रहे। राजनेता के रूप में काम किया तो देश के लिए समर्पित रहे। और जीवन में जब ऐसा भी क्षण आया कि सत्ता का त्याग करना है, जोड़-तोड़ की राजनीति नहीं करनी है तो बिना एक क्षण गवाए तत्काल उसका परित्याग किया। अटल जी, अटल जी थे। सदैव अटल, सर्वदा अटल। यह मेरा सौभाग्य है कि अटल जी के साथ कई कार्यक्रमों में रहने का अवसर प्राप्त हुआ। जब भी अटल जी की इस स्मृतियों को याद करता हूं; उनकी यह बात कानों में गूंजती है।

"संजय, संगठन में हमेशा कार्यकर्ता बनकर रहना। कार्यकर्ताओं के बल पर ही संगठन खड़ा रहता है। यह याद रखना कि जनसेवा ही हम सबका प्रमुख कार्य है।"

अटल जी की ये पंक्तियां मानो समाज के हर वर्ग के लिए हैं, हर कार्यकर्ता के लिए हैं। उन्हीं के जीवन की तरह शाश्वत और अटल है। ऐसा नहीं है कि अटल जी ने इन बातों को सिर्फ कहा। अटल जी ने खुद भी इन बातों को आत्मसात किया।

श्रद्धेय अटल जी की कई स्मृतियां जुड़ी हुई हैं, जिसमें यह लगता है कि अटल जी कोई देवपुरुष थे, जिन्होंने इतनी सारी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। कार्यकर्ताओं के लिए खड़े रहे और कार्यकर्ताओं का हौसला भी बढ़ाते रहे।

बात 1980 की है, जब अटल जी दक्षिणी छोटानागपुर के दौरे पर आए थे। पिस्का मोड, रांची में स्थित गुरुद्वारा में मत्था टेका और अपनी यात्रा शुरू की। उस यात्रा में मैं उनके साथ था। रांची से गुमला जाते वक्त अटल जी ने सड़क के किनारे एक झोपड़ीनुमा घर के पास गाड़ी रुकवाई और सीधे अंदर चले गए। घर की महिला से मां कहकर संबोधित किया। अपना परिचय दिया और कुछ खिलाने का आग्रह किया। घर की महिलाओं ने रोटी, भुजिया, प्याज और हरी मिर्च अटल जी को खिलाई। यह वह संस्मरण है, जो यह बताता है कि किस कदर अटल जी आम जनमानस से जुड़ते थे।

> रांची से गुमला जाते वक्त अटल जी ने सड़क के किनारे एक झोपड़ीनुमा घर के पास गाड़ी रुकवाई और सीधे अंदर चले गए। घर की महिला से मां कहकर संबोधित किया। अपना परिचय दिया और कुछ खिलाने का आग्रह किया। घर की महिलाओं ने रोटी, भुजिया, प्याज और हरी मिर्च अटल जी को खिलाई

1981 में प्रयागराज में भाजपा युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अधिवेशन था। हम सब वहां गए हुए थे। अधिवेशन समाप्त होने के बाद मैं रांची लौट आया। यहां पहुंचने पर दैनिक अखबार रांची एक्सप्रेस में पढ़ा कि अटल जी रांची में हैं। तब वह संसदीय समिति के साथ रांची आए हुए थे। मैं उनसे मिलने जेल मोड पर स्थित सर्किट हाउस (जो अब अर्जुन मुंडा जी का आवास है) वहां पहुंचा। अटल जी के साथ रांची एक्सप्रेस के तत्कालीन संपादक श्री बलबीर दत्त और रांची के पूर्व विधायक श्री ननी गोपाल मित्रा बैठे हुए थे। मैंने उनसे आग्रह किया कि रांची में एक सभा की जाए। अटल जी ने कहा इतनी जल्दी सभा कैसे हो सकती है? कल मुझे हावड़ा निकलना है। मैंने उनसे फिर अनुरोध किया कि रांची के लोग आपको सुनना चाहते हैं। अपने मुस्कान के साथ अटल जी ने सहमति दे दी। दूसरे दिन रात 8:00 बजे हावड़ा जाने की ट्रेन थी और दोपहर के 3:00 बजे सभा करनी थी। मैं खुद ऑटो बुक करके इस सभा के प्रचार प्रसार में लग गया। ठीक 3:00 बजे बारी पार्क मैदान, (जहां अभी नगर निगम का कार्यालय है) में सभा शुरू हुई। अटल जी ने भाषण देना शुरू किया। इतने कम समय की तैयारी में लोगों का जो हुजूम उमड़ा था, वह आज भी मेरी आंखों के सामने है। अटल जी ने अभी आधा भाषण दिया था और भीषण बारिश होने लगी। मैंने अटल जी के लिए छाता लगाया, उन्होंने छाता हटाने को कहा। अटल जी ने अपने ही अंदाज में कहा— "आप जब तक भीगेंगे, मैं भी तब तक भीगूंगा। आप जब तक सुनेंगे तब तक मैं भी बोलूंगा।" अटल जी की इन पंक्तियों ने उस भीषण बारिश में जनता के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया। जनता तालियां बजाती रहीं, अटल जी बोलते रहे। सभा की समाप्ति के बाद बगल में स्थित उपायुक्त कार्यालय में अटल जी ने कपड़े बदले और फिर हावड़ा के लिए रवाना हो गए।

एक बार पुनः 1983 में अटल जी का सान्निध्य मिला। संगठन संचालन के लिए सहयोग निधि लेना था। रांची को 1 लाख 21 हजार रुपए का लक्ष्य दिया गया था। तब आरिफ करीम रांची भाजपा के अध्यक्ष हुआ करते थे और राजेंद्र अग्रवाल कोषाध्यक्ष।

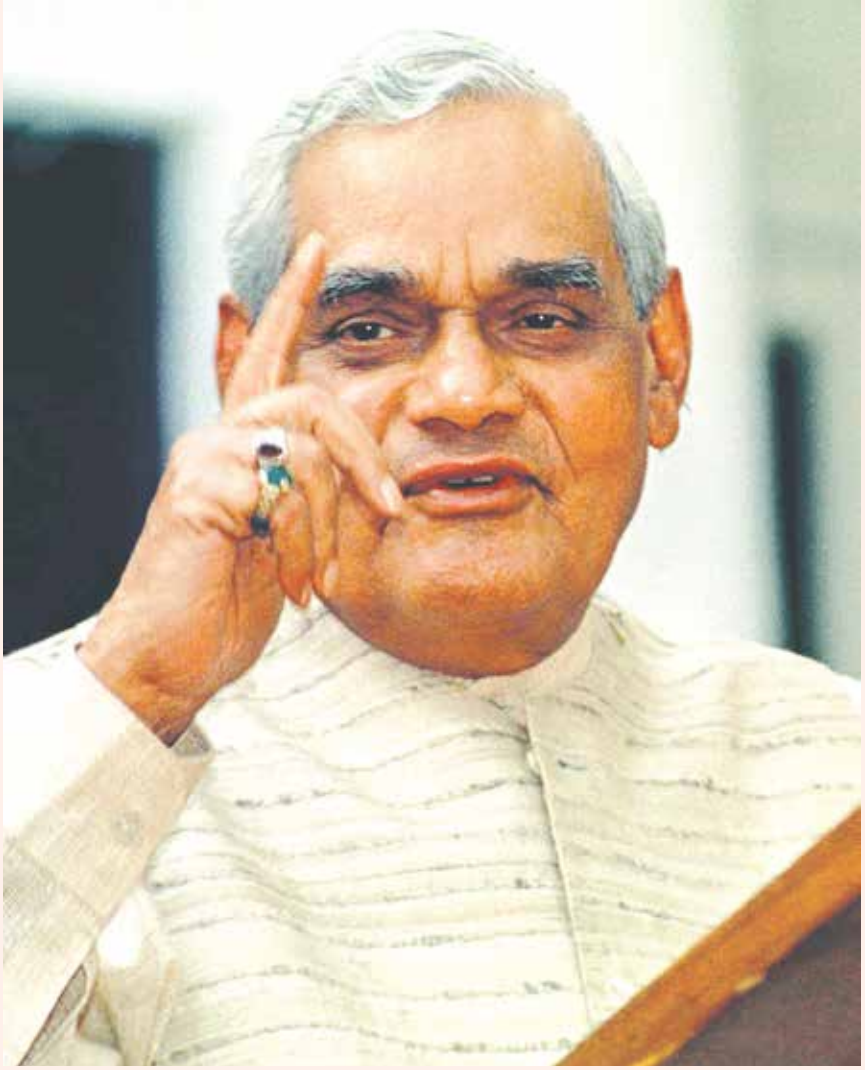

कुल मिलाकर कहूं तो अटल जी का विराट व्यक्तित्व सिर्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व नहीं है। उनका जीवन एक पुस्तक है, जिसमें हमें हर क्षेत्र के लिए सीखने की प्रेरणा मिलती है। समझने का अवसर मिलता है और जीवन में आगे बढ़ाने के लिए रास्ते दिखते हैं। इसलिए सामान्यजनों से, कार्यकर्ताओं से सबसे मेरा यही आग्रह है कि जीवन में जब भी निराशा छाए, अटल जी की कविताओं को पढ़िए। अटल जी के भाषणों को सुनिए

नियत तिथि तक राशि जमा नहीं हो पाई। राजेंद्र अग्रवाल जी ने अपनी नई एंबेसडर का बेच दी और तब 1 लाख, 21 हजार के लक्ष्य को पूरा किया। इसी दिन एक बार फिर हमने अटल जी की सभा की। अटल जी भाषण देने आए, लगभग 1 घंटे भाषण देने के बाद अटल जी चुप हो गए। उन्होंने अपने विनोद स्वभाव से कहा कि जितना आपने राशन दिया है, मैंने उतना भाषण दिया है। फिर उसके बाद पुनः अटल जी ने भाषण देना शुरू किया। हम सबने वह राशि जमा कर अटल जी को दी।

एक बार फिर अटल जी अपनी यात्रा पर रांची आए और लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा के लिए रवाना हुए। वहां से भी संगठन के लिए निधि संग्रह हुआ। लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा जी, पूर्व मंत्री स्व. ललित उरांव जी, लाल राजेंद्र नाथ शाहदेव जी के साथ रांची के लिए निकले। बीच रास्ते में अटल जी ने गाड़ी रुकवाई और पैदल चलने लगे। कड़िया मुंडा जी ने उन्हें रोका और कहा कि गाड़ी में पैसा रखा हुआ, ऐसे पैदल चलना ठीक नहीं है। अटल जी ने कहा— कोई दिक्कत नहीं, हम पैदल चलेंगे। लगभग आधे घंटे तक पैदल चलते रहे और रात में बसिया पहुंचे। वहां पहुंचने पर ललित उरांव जी ने कहा कि एक सभा करते हैं। तब तक उसे क्षेत्र में यह खबर आ गई थी कि अटल जी आए हुए हैं। फिर रात के लगभग 9:00 बजे के लगभग सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में, जहां कोई संसाधन नहीं था; वहां पर सभा हुई और 500 से 600 लोग सभा में मौजूद रहे।

यह अटल जी का व्यक्तित्व था। यह उनके करिश्माई व्यक्तित्व का ही प्रभाव था कि वो जहां भी जाते थे; लोग उनसे जुड़ जाते थे।

1996 में अटल जी सेवा सदन अस्पताल के प्रथम तल का उद्घाटन करने आए। उन्होंने उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित किया और कहा कि मैं आपको यह शुभकामना और आशीर्वाद नहीं दे सकता कि आपका अस्पताल खूब फले-फूले। परंतु आपसे यह अपेक्षा जरूर रखूंगा कि आप सेवाभाव से काम करें। सबके स्वस्थ रहने के लिए काम करें। यह अपेक्षा मेरी आपसे है।

कुल मिलाकर कहूं तो अटल जी का विराट व्यक्तित्व सिर्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व नहीं है। उनका जीवन एक पुस्तक है, जिसमें हमें हर क्षेत्र के लिए सीखने की प्रेरणा मिलती है। समझने का अवसर मिलता है और जीवन में आगे बढ़ाने के लिए रास्ते दिखते हैं। इसलिए सामान्यजनों से, कार्यकर्ताओं से सबसे मेरा यही आग्रह है कि जीवन में जब भी निराशा छाए, अटल जी की कविताओं को पढ़िए। अटल जी के भाषणों को सुनिए। उन्होंने कविताएं ऐसी लिखीं, जो कालजयी बन गई। भाषण ऐसे दिए, जो दस्तावेज बन गए। वे कालजयी कविताएं और उनके भाषण हमें अपने जीवन में, समाज की सेवा में और राष्ट्र की सेवा के कई मार्ग दिखाएंगे। ■

युग पुरुष अटल जी को शत-शत नमन।

(लेखक रक्षा राज्य मंत्री हैं)

एसएंडपी ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बढ़ाकर 'बीबीबी' किया

इस रेटिंग सुधार के माध्यम से सशक्त होते विकास, राजकोषीय स्थिरता और नियंत्रित मुद्रास्फीति का उल्लेख किया गया है। बेहतर रेटिंग से उधार की लागत कम होगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और व्यापक आधार पर विकास होगा

एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की दीर्घकालिक सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीबीबी-' से बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया है, जबकि अल्पकालिक रेटिंग को 'ए-3' से बेहतर करके 'ए-2' कर दिया है।

भारत का स्थिर परिदृश्य देश के सशक्त आर्थिक बुनियादी ढांचे और विवेकपूर्ण नीति प्रबंधन में वैश्विक भरोसे को दर्शाता है। एसएंडपी ने भारत के बढ़ते वित्तीय लचीलेपन को मान्यता देते हुए स्थानांतरण और परिवर्तनीयता मूल्यांकन में भी सुधार लाते हुए 'बीबीबी+' से 'ए-' कर दिया है। एसएंडपी ने आखिरी बार जनवरी, 2007 में भारत की रेटिंग को 'बीबीबी-' में परिवर्तित किया था, इसलिए रेटिंग में यह सुधार 18 साल के अंतराल के बाद आया है।

यह उन्नयन भारत की सशक्त एवं सतत आर्थिक वृद्धि को दर्शाता है, जो उच्च बुनियादी ढांचा निवेश, सुदृढ़ राजकोषीय प्रबंधन तथा मजबूत मौद्रिक नीति ढांचे द्वारा संचालित है और यह मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखता है। यह देश की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक समृद्धि के प्रति सरकार की दृढ़ वचनबद्धता का प्रमाण है।

उल्लेखनीय है कि एसएंडपी ग्लोबल अर्थात स्टैंडर्ड एंड पूअर्स ग्लोबल एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है। यह सरकारों, निगमों एवं वित्तीय संस्थानों की ऋण-योग्यता का मूल्यांकन करती है और निवेशकों को जोखिम का स्वतंत्र आकलन प्रदान करती है। जहां तक रेटिंग का सवाल है 'बीबीबी' रेटिंग को निवेश ग्रेड माना जाता है जिसका अर्थ है कि देश में अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता निहित है। वहीं, अल्पकालिक 'ए-2' रेटिंग यह दर्शाती है कि देश के दायित्व संतोषजनक हैं और उनके पूरा होने की संभावना प्रबल है।

- वित्त वर्ष 2022 और 2024 के बीच वास्तविक जीडीपी वृद्धि औसतन 8.8 प्रतिशत रही है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है।
- एसएंडपी ने अगले तीन वर्षों में 6.8 प्रतिशत की वार्षिक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो उच्च राजकोषीय घाटे के बावजूद सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात में नरमी का अनुमान व्यक्त करता है।
- बुनियादी ढांचे में निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के साथ सरकारी व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।
- वित्त वर्ष 2026 तक केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 11.2 ट्रिलियन रुपए (जीडीपी का 3.1 प्रतिशत) तक पहुंचने की उम्मीद है।

सशक्त आर्थिक विकास भारत के उत्थान को शक्ति प्रदान करता है

एसएंडपी ग्लोबल ने कहा है कि भारत दुनिया में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, जो महामारी के बाद से मजबूती के साथ सुधार और निरंतर विकास दिखा रहा है।

मुख्य अवलोकन बिंदु:

- वित्त वर्ष 2022 और 2024 के बीच वास्तविक जीडीपी वृद्धि औसतन 8.8 प्रतिशत रही है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक है।
- एसएंडपी ने अगले तीन वर्षों में 6.8 प्रतिशत की वार्षिक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो उच्च राजकोषीय घाटे के बावजूद सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात में नरमी का अनुमान व्यक्त करता है।
- बुनियादी ढांचे में निवेश पर ध्यान केंद्रित करने के साथ सरकारी व्यय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2026 तक केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 11.2 ट्रिलियन रुपए (जीडीपी का 3.1 प्रतिशत) तक पहुंचने की उम्मीद है।
- राज्य सरकारों सहित बुनियादी ढांचे में कुल सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 5.5 प्रतिशत अनुमानित है, जो कई समकक्ष देशों के बराबर या उससे अधिक है।
- बुनियादी ढांचे और सड़क संपर्क सुविधा योजनाओं में निवेश से उन बाधाओं को दूर होने की उम्मीद है, जो पहले दीर्घकालिक आर्थिक विकास को सीमित कर रही थीं।
- मौद्रिक नीति सुधारों, विशेष रूप से मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण की ओर बदलाव ने मूल्य अपेक्षाओं को स्थिर कर दिया है।

- सरकार ने चालू खाता घाटे को बढ़ाए बिना ही बड़े बुनियादी ढांचे के निवेश को सफलतापूर्वक वित्तपोषित किया है, जिससे राजकोषीय विश्वसनीयता में उछाल आया है।
- वित्त वर्ष 2025 के लिए केंद्र सरकार का अस्थायी घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 प्रतिशत है, जबकि शुद्ध ऋण सकल घरेलू उत्पाद का 7.8 प्रतिशत अनुमानित है, जो महामारी के दौरान 9-13 प्रतिशत से उल्लेखनीय सुधार है।

राजकोषीय अनुशासन को बेहतर करने से विकास को बढ़ावा मिलता है

एसएंडपी ग्लोबल का मानना है कि भारत सरकार राजकोषीय समेकन की दिशा में एक स्पष्ट व क्रमिक मार्ग का अनुसरण कर रही है, जिससे देश में आर्थिक स्थिरता आ रही है और विश्वसनीयता बढ़ती जा रही है।

मुख्य अवलोकन बिंदु:

- सामान्य सरकारी घाटा, जो कुल सरकारी खर्च और राजस्व के बीच अंतर को मापता है, वह वित्त वर्ष 2026 में सकल घरेलू उत्पाद के 7.3 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2029 तक 6.6 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है।
- सरकार ने चालू खाता घाटे को बढ़ाए बिना ही बड़े बुनियादी ढांचे के निवेश को सफलतापूर्वक वित्तपोषित किया है, जिससे राजकोषीय विश्वसनीयता में उछाल आया है।
- वित्त वर्ष 2025 के लिए केंद्र सरकार का अस्थायी घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 प्रतिशत है, जबकि शुद्ध ऋण सकल घरेलू उत्पाद का 7.8 प्रतिशत अनुमानित है, जो महामारी के दौरान 9-13 प्रतिशत से उल्लेखनीय सुधार है।
- वित्त वर्ष 2026 के लिए केंद्रीय बजट केंद्रीय घाटे को घटाकर सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत कर देता है।
- राज्य सरकार का घाटा अगले तीन से चार वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद का औसतन 2.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।
- केंद्रीय और राज्य के घाटे को मिलाकर, सामान्य सरकारी राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2029 तक धीरे-धीरे कम होकर सकल घरेलू उत्पाद का 6.6 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है।

ऋण पात्रता और मुद्रास्फीति

एसएंडपी ग्लोबल ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत की बेहतर आर्थिक वृद्धि और सुदृढ़ नीतिगत ढांचे ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए देश की क्रेडिट प्रोफाइल को सशक्त बनाया है। परिणामस्वरूप, एसएंडपी ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीबीबी-' से बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया है।

मुख्य अवलोकन बिंदु:

- सशक्त आर्थिक विस्तार से भारत के ऋण मानकों में सुधार हो रहा है, जो अगले दो से तीन वर्षों में सतत विकास के लिए एक ठोस आधार प्रदान कर रहा है।
- मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं को प्रबंधित करने में मौद्रिक नीति समायोजन तेजी से प्रभावी हो गई है।
- भारत की बाह्य स्थिति सशक्त बनी हुई है और शुद्ध बाह्य परिसंपत्ति संतुलन सामान्य है।
- चालू खाता घाटा कम रहने की उम्मीद है, जिसे स्थिर घरेलू मांग और मामूली रूप से कमजोर रुपये से सहयोग मिलेगा, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।
- अस्थिर वैश्विक कमोडिटी कीमतें चालू खाता अनुमानों के लिए जोखिम बनी हुई हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2015 से मुद्रास्फीति को अपने मध्यम अवधि लक्ष्य बैंड के भीतर बनाए रखा है, जिससे उसके मौद्रिक प्रबंधन में विश्वास मजबूत हुआ है।
- वैश्विक ऊर्जा मूल्य अस्थिरता के बावजूद उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) वृद्धि पिछले तीन वर्षों में औसतन 5.5 प्रतिशत रही है।
- हाल की मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के 2-6 प्रतिशत लक्ष्य सीमा के निचले स्तर पर बनी हुई है।
- पिछले कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई, 2025 में मुख्य सीपीआई मुद्रास्फीति जून के 2.1 प्रतिशत से घटकर 1.6 प्रतिशत हो गई है।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति के दबाव को नियंत्रित करने के साथ फरवरी, 2025 में मौद्रिक सहजता शुरू की, नीतिगत रेपो दर को संचयी 100 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया।

निष्कर्ष

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार देश के सशक्त आर्थिक बुनियादी ढांचे, अनुशासित राजकोषीय प्रबंधन और प्रभावी मौद्रिक नीतियों के महत्व को प्रदर्शित करता है। यह भारत के विकास को गति देने, मुद्रास्फीति को प्रबंधित करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे में निवेश करने की क्षमता में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। यह उपलब्धि दीर्घकालिक समृद्धि के प्रति सरकार की वचनबद्धता को उजागर करती है और भारत को वैश्विक निवेश के लिए एक लचीले तथा आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रतिष्ठित करती है। ■

ईपीएफओ में जून, 2025 के दौरान सर्वकालिक उच्चतम लगभग 22 लाख सदस्य शुद्ध रूप से जुड़े

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जून, 2025 के लिए अनंतिम कर्मचारी वेतन डेटा जारी किया है। इसमें 21.89 लाख सदस्यों की शुद्ध वृद्धि की बात सामने आई है, यह अप्रैल, 2018 में कर्मचारी वेतन डेटा ट्रैकिंग शुरू होने के बाद से सबसे अधिक दर्ज की गई वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले महीने मई, 2025 की तुलना में चालू महीने के दौरान शुद्ध कर्मचारी वेतन परिवर्धन में 9.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

इसके अलावा, वर्ष-दर-वर्ष विश्लेषण से पता चलता है कि जून, 2024 की तुलना में जून, 2025 में शुद्ध कर्मचारी वेतन वृद्धि में 13.46 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह रोजगार के अवसरों में वृद्धि और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है, इसे ईपीएफओ की प्रभावी पहुंच पहलों से बल मिला है।

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा 20 अगस्त को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ईपीएफओ ने जून, 2025 में लगभग 10.62 लाख नए सदस्य को नामांकित किया, जो मई, 2025 की तुलना में 12.68 प्रतिशत और जून, 2024 की तुलना में 3.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। नए सदस्यों में यह वृद्धि बढ़ते रोजगार अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों का परिणाम है।

जून, 2025 में लगभग 3.02 लाख नई महिला सदस्य ईपीएफओ में शामिल हुईं। यह मई, 2025 के पिछले महीने की तुलना में 14.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। ■

5.82 लाख गांवों में लगभग 15.69 करोड़ (81.02 प्रतिशत) घरों में नल के जल की हुई आपूर्ति

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना द्वारा 21 अगस्त को लोक सभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी गई जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन की घोषणा के समय 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन होने की सूचना थी। अब तक जैसाकि राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा 18.08.2025 तक सूचना दी गई है, लगभग 12.45 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण घरों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

इस प्रकार 18.08.2025 तक देश के लगभग 5.86 लाख गांवों में 19.36 करोड़ ग्रामीण घरों में से लगभग 5.82 लाख गांवों में फैले लगभग 15.69 करोड़ (81.02 प्रतिशत) घरों में नल के पानी की आपूर्ति होने की सूचना है। इसके अतिरिक्त, 18.08.2025 तक 2.63 लाख से अधिक गांवों को 'हर घर जल' के रूप में सूचित किया गया है, अर्थात् 100 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल जल की आपूर्ति है। ■

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं के लिए 12,000 करोड़ रुपए की लक्षित सब्सिडी जारी रखने को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठ अगस्त को वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को प्रति वर्ष 9 रिफिल (5 किलोग्राम सिलेंडर वालों के लिए आनुपातिक रूप से) के लिए 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर 300 रुपए की लक्षित सब्सिडी को मंजूरी दी। इसमें 12,000 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) मई, 2016 में देश भर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। 01.07.2025 तक देश भर में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन उपलब्ध हैं। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं की औसत प्रति व्यक्ति खपत (पीसीसी) 2019-20 में केवल 3 रिफिल और 2022-23 में 3.68 रिफिल थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बढ़कर लगभग 4.47 हो गई है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4,600 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों को दी स्वीकृति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 अगस्त को भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत चार और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को स्वीकृति दी।

भारत में सेमीकंडक्टर इकाइयों के अनुकूल परिवेश के निर्माण में तेज़ी आ रही है। इस क्षेत्र में छह स्वीकृत परियोजनाएं पहले से ही कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। आज स्वीकृत ये चार प्रस्ताव सिकसेम (एसआईसीएसईएम), कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीडीआईएल), 3डी ग्लास सॉल्यूशंस इंक. और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज (एएसआईपी) टेक्नोलॉजीज़ के हैं।

इन चार स्वीकृत प्रस्तावों के माध्यम से लगभग 4,600 करोड़ रुपये के कुल निवेश से सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनियां स्थापित होंगी और इसी प्रकार से 2034 कुशल पेशेवरों के लिए रोज़गार का सृजन होने की आशा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए अनुकूल परिवेश को गति मिलेगी और इसके परिणामस्वरूप अप्रत्यक्ष रूप से भी बहुत-सी नौकरियों का सृजन होगा। आज इन चार और प्रस्तावों की स्वीकृति के साथ भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत 6 राज्यों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या 10 हो गई है। ■

नागालैंड के राज्यपाल ला. गणेशन नहीं रहे

प्रधानमंत्री ने निधन पर शोक व्यक्त किया

नागालैंड के राज्यपाल श्री एल. गणेशन का 15 अगस्त, 2025 को 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह अपने पीछे जनसेवा, नेतृत्व एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। प्रधानमंत्री ने उनके निधन पर उनके परिवार, मित्रों एवं नागालैंड के लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और इस क्षति को देश के लिए एक महत्वपूर्ण क्षति बताया।

श्री एल. गणेशन का सार्वजनिक जीवन विशिष्ट अनुभवों से भरा रहा है, जहां उन्होंने विभिन्न पदों पर सेवाएं देते करते हुए भारत के प्रशासनिक एवं राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह पूर्व में मणिपुर के राज्यपाल एवं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल चुके है। अपनी ईमानदारी, प्रतिबद्धता और समावेशी दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले श्री गणेशन ने शासन, सामाजिक सद्भाव और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागालैंड के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, स्थानीय विकास पहलों को समर्थन देने और राज्य में शांति एवं स्थिरता को बढ़ावा देने का प्रयास किया, जिसके लिए उनकी व्यापक प्रशंसा हुई।

श्रद्धांजलि

तंजावुर जिले के निवासी श्री गणेशन कर्नाटक संगीत के प्रशंसक थे और थिरुवैयारु में वार्षिक त्यागराज आराधना में भाग लेना सुनिश्चित करते थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ उनका संपर्क उनके स्कूल के दिनों में ही शुरू हो गया था, उनका परिवार संगठन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। 1991 में उन्हें तमिलनाडु में भाजपा की जड़ों को मजबूत करने और पार्टी गतिविधियों को अधिक व्यापक बनाने के लिए उन्हें भेजा गया। उन्होंने भाजपा, तमिलनाडु प्रदेश महामंत्री एवं अध्यक्ष के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन किया। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने भाजपा उपाध्यक्ष का पद संभाला। उन्होंने दक्षिण चेन्नई लोकसभा क्षेत्र से दो बार चुनाव लड़ा। 2017 में तत्कालीन सांसद श्रीमती नजमा हेपतुल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद श्री गणेशन मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुने गए।

श्री गणेशन ने भाजपा के मुखपत्र ओरे नाडु (एक राष्ट्र) के संपादक के रूप में भी काम किया और वह पोट्टरामराय (स्वर्ण कमल) के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे, जो दुनिया भर में तमिल विद्वानों को बढ़ावा देने और समर्थन देने के लिए समर्पित संगठन है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने थिरु ला. गणेशन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया

'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, "नागालैंड के राज्यपाल थिरु ला. गणेशन जी के निधन से गहरा दुःख हुआ। उन्हें एक समर्पित राष्ट्रवादी के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने अपना जीवन सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने तमिलनाडु में भाजपा का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की। तमिल संस्कृति के प्रति भी उनका गहरा लगाव था। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।"

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी श्री गणेशन के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "नागालैंड के राज्यपाल श्री ला. गणेशन जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुःख हुआ। आपातकाल के दौरान अपनी साहसिक भूमिका से लेकर तमिलनाडु में भाजपा के विस्तार के प्रयासों तक, वह राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहे। राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल जनता के प्रति उनके गहरे कर्तव्यबोध को दर्शाता है। इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।"

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा, "नागालैंड के राज्यपाल ला. गणेशन जी के निधन से अत्यंत दुःख हुआ। तमिलनाडु के भाजपा नेता गणेशन जी ने आपातकाल के दौरान राष्ट्र के लिए बहुमूल्य योगदान दिया। उन्हें पार्टी के विस्तार, विचारधारा के प्रसार और राज्यपाल के रूप में जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाएगा। मैं उनके निधन पर उनके सहयोगियों एवं प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।"

श्री ला. गणेशन के निधन पर राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया। ■

विकसित भारत के लिए मोदीजी के सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस. पुरी

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदीजी के 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित–ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त असामान्य उथल-पुथल के दौर के बीच विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों, और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्च, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है। दशकों तक, झिझक और 'नो गो' क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में 'नो गो' क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है। हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएंगे।

> **साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुंच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं**

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढांचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढांचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्टम का निर्माण भी करेंगे, जहां स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुंच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढांचे का विस्तार

जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व, निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढांचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेज़ी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदीजी की शैली— सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है।

एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्रीजी ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिज़ाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्रीजी ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालांकि भारत दुनिया की फार्मेसी है, जो वैश्विक टीकों का 60 प्रतिशत का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहां हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों।

वर्तमान में 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है

घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है। फेसलेस मूल्यांकन की शुरुआत ने प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त बना दिया है।

दिवाली तक लॉन्च किया जाने वाला अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0, दरों को और अधिक तर्कसंगत बनाएगा और अनुपालन को बढ़ावा देगा। 40,000 से ज़्यादा अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने, 1,500 से ज़्यादा पुराने कानूनों को निरस्त करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के साथ, यह नेहरू के आर्थिक पिंजरे को तोड़ने जैसा है। ये सुधार केवल बैलेंस शीट में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सुधार लाते हैं। 25 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों तक पहुंचकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण - ने कल्याण में जवाबदेही को सुनिश्चित कर 25 करोड़ से ज़्यादा भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला है।

रोज़गार पर फोकस को भी केंद्र में लाया गया है। पीएम विकसित भारत रोज़गार योजना 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्च की गई है; नए रोज़गार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, नए रोज़गार के अवसरों का सृजन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा और इस कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 3.5 करोड़ युवा भारतीयों तक पहुंचना है।

महत्वाकांक्षा को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्रीजी ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्टम को नया रूप देने के लिए बनाया गया है। इसका अधिदेश जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अर्से से अपेक्षित भी हैः हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना तथा जटिल कानूनों को सरल, पूर्वानुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना।

15 अगस्त को घोषित सुधार, केवल अगले दिन की सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को - अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करके आधुनिक शक्ति में तब्दील होते हुए देख रही है। ■

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

भारत का दर्द, भारत का संकल्प

तरुण चुग

1947 की अगस्त की तपती दोपहरी में पंजाब धू-धू कर जल रहा था- प्रत्यक्ष भी और प्रतीकात्मक रूप से भी। आज़ादी की सुबह जो उत्सव का क्षण होना चाहिए था, वह पंजाब में आग और ख़ून के आलम में ढल गया। नई सरहद के आर-पार बसे गांव शाम के धुंधलके में जल उठे थे। टूटे-बिखरे परिवारों के काफ़िले क्षितिज की ओर रवाना हो रहे थे; थके-मांदे स्त्री-पुरुष और बच्चे धूल भरी सड़कों पर दूर-दूर तक पसरे पदचिह्न छोड़ते चले जा रहे थे, पीछे सिर्फ़ अपने घर-द्वार ही नहीं, अपनी ज़िंदगी तक छोड़कर। लाहौर और अमृतसर जैसे स्टेशनों से शरणार्थियों से ठूंस-ठूंस भरी रेलगाड़ियां एक के बाद एक कर के रवाना तो हुईं, मगर कई गाड़ियां अपनी मंज़िल तक कभी न पहुंच सकीं। हर रेल के निकल जाने के बाद कुछ देर को सन्नाटा पसर जाता, जिसे सिर्फ़ दूर कहीं धधकती आग की लपटें और भटकी हुई चीख़ों की गूंज भंग करती थी। यह भारत का बंटवारा थाः स्वतंत्रता के साथ आई अराजकता, विस्थापन और हिंसा का ऐसा मंज़र, जो संसार ने इससे पहले नहीं देखा था। ये आज़ादी का वह लम्हा था जिसमें एक ओर सूरज उगा, तो दूसरी ओर मनुष्यता की सबसे काली रात भी साथ आई। हम इस क्षण को भुला नहीं सकते, ज़ख़्म कुरेदने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें याद रखकर राष्ट्र को मरहम लगाने के लिए और ये सीखने के लिए कि ऐसी त्रासदी दोबारा न दोहराई जाए।

बंटवारे के भीषण प्रहार सबसे ज़्यादा पंजाब और बंगाल ने सहे। इनकी भौगोलिक स्थिति ही कुछ ऐसी थीः रैडक्लिफ़ रेखा ने पंजाब और बंगाल के सीने पर झटके से खींचकर एक लकीर डाल दी, जो खेतों और नदियों को चीरती हुई, रेल की पटरियों और ग्रांड ट्रंक रोड को दो हिस्सों में काटती हुई निकल गई। सदियों से एक-दूसरे में घुल-मिल कर बसे पंजाब-बंगाल के लोग-सिख, हिंदू, मुसलमान- एक झटके में दो हिस्सों में बांट दिए गए। यहीं बंटवारे का केन्द्र था, जहां से इतिहास की सबसे बड़ी पलायन की लहरें उठीं। करोड़ों हिंदू-सिखों को पश्चिमी पंजाब और पूर्वी बंगाल छोड़कर भारत की ओर आना पड़ा, हर एक सड़क और रेलमार्ग विपरीत दिशाओं में जाते ख़ौफ़ज़दा इंसानों के रेले से भर गया। प्रशासनिक ढांचे इस मानव-सैलाब के नीचे ढह गए। अंग्रेज़ हुकूमत जल्दबाज़ी में भारत छोड़ रही थी, सो क़ानून-व्यवस्था पहले ही कमज़ोर पड़ चुकी थी। जिन फ़ौजों को शांति क़ायम रखने के लिए तैनात किया गया, वे नाकाफ़ी थीं और देखते-देखते हालात काबू के बाहर हो गए। जिन इलाक़ों में विभाजन रेखा घनी आबादी के बीच से गुज़री, वहां हालात एकदम अराजक हो उठेः सदियों के पड़ोसी पल भर में एक-दूसरे के ख़िलाफ़ खड़े हो गए, और नफ़रत का ऐसा तूफ़ान उठा जिसे रोकने के लिए ज़मीन पर प्रशासन नाम की चीज़ मौजूद नहीं थी।

पंजाब में हुई मारकाट की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। रावलपिंडी, लाहौर, अमृतसर, शेख़ुपुरा जैसे शहरों में कत्लेआम, आगज़नी, बदले की हत्याएं अपनी चरम सीमा पर थीं, जो रेलगाड़ियां आधुनिकता की निशानी हुआ करती थीं, वे ख़ौफ़नाक मौत के वाहक बन गईं। कई गाड़ियां अपनी मंज़िल पर सिर्फ़ लाशों से भरे डिब्बे और लहूलुहान फ़र्श लेकर पहुंची, जिन्हें लोग दहशत में 'ख़ून से रंगी ट्रेनें' या 'भूतिया गाड़ियां' कहने लगे। पंजाब से दिल्ली पहुंचे एक शरणार्थी ने याद करते हुए बताया कि पाकिस्तान की ओर से आई एक रेलगाड़ी "काटे गए मृत शरीरों से अटी पड़ी थी... चारों तरफ़ ख़ून ही ख़ून था"। जगह-जगह पैदल जान बचाकर भागते काफ़िलों पर हमले हुए; देखते ही देखते पूरे के पूरे गांव आग में झोंक दिए गए। इस वहशीपन ने औरतों को भी ना बख़्शाः अंदाज़न 75,000 महिलाओं के साथ बलात्कार या अपहरण की घटनाएं हुईं और असंख्य मामलों में उन पर अमानवीय ज़ुल्म बरपाए गए। मांओं के सामने उनके बच्चों को मार डाला गया; गोद के शिशु तलवार के एक वार में उनसे छीन लिए गए।

पंजाब में हुई मारकाट की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। रावलपिंडी, लाहौर, अमृतसर, शेख़ुपुरा जैसे शहरों में कत्लेआम, आगज़नी, बदले की हत्याएं अपनी चरम सीमा पर थीं, जो रेलगाड़ियां आधुनिकता की निशानी हुआ करती थीं, वे ख़ौफ़नाक मौत के वाहक बन गईं। कई गाड़ियां अपनी मंज़िल पर सिर्फ़ लाशों से भरे डिब्बे और लहूलुहान फ़र्श लेकर पहुंची, जिन्हें लोग दहशत में 'ख़ून से रंगी ट्रेनें' या 'भूतिया गाड़ियां' कहने लगे

हालात ऐसे दरिंदेपन पर उतर आए कि कुछ ब्रिटिश अफ़सरों और पत्रकारों ने, जिन्होंने यूरोप में नाज़ी यातना शिविर देखे थे, कहा– यहां पंजाब और बंगाल में जो हुआ, वह शायद यहूदियों पर नाजियों द्वारा की गयी यातना से भी भयंकर था। बर्बरता के ऐसे-ऐसे कृत्य हुए कि वर्णन से ही रुह कांप उठे– गर्भवती स्त्रियों तक को नहीं छोड़ा गया। 1948 आते-आते जब यह महाविस्थापन थमा, तब तक साढ़े पन्द्रह करोड़ से भी अधिक लोग अपनी जन्मभूमि से उखाड़े जा चुके थे और मरने वालों की संख्या का ठीक-ठीक अंदाज़ा किसी को नहीं। अलग-अलग अनुमानों में मृतकों का आंकड़ा दो लाख से लेकर बीस लाख तक कहा गया है। अधिकतर इतिहासकार मानते हैं कि क़रीब 10 लाख बेगुनाह लोग इस ख़ूनी बांट-चीर में मारे गए, लेकिन हार्वर्ड विश्वविद्यालय के हाल के शोध सुझाव देते हैं कि यह संख्या 20 लाख या उससे भी ज़्यादा हो सकती है। 1947 का विभाजन 20वीं सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बनकर उभरा, जिसमें चंद हफ़्तों के भीतर करीब 1.2 करोड़ से 2 करोड़ इंसान बेघर हो गए – यानी उस दौर में विश्व की आबादी का पूरा 1 प्रतिशत अपने ही वतन में बेगाना बन गया, ये आंकड़े महज़ संख्या नहीं हैं; ये भारत की धरती पर केंद्रित उस मानव त्रासदी की गवाही हैं जिसकी तुलना दुनिया में कहीं और नहीं मिलती।

फिर भी इस तबाही के बीच पंजाब के आम लोगों ने यादों के चिराग बुझने नहीं दिए। इंसान जब अपना घर-संसार छोड़ने पर मजबूर हो, तो साथ क्या ले कर भागे? किसी ने ख़ानदानी हिसाब-किताब की बहियां उठा लीं, तो किसी ने एक-दो यादगार तसवीरें; किसी ने अपने वतन की मिट्टी को ही आंचल में बांध लिया। और बहुतों ने चाबियां समेटीं – उन घरों की चाबियां जिन्हें वे अपनी पीठ पीछे बंद करके निकले थे – कमर में खोंस लीं या दुपट्टे के कोने में कसकर बांध लीं। अनगिनत दास्तानों में, जो हमें पीढ़ी-दर-पीढ़ी विरासत में मिली हैं, दादियां और नानियां बताती हैं कि अगस्त, 1947 की उस अफ़रा-तफ़री में उन्होंने अपने घर-द्वार पर ताला लगाया, सन्दूक-तिजोरियां बंद कीं और उनकी चाबियां हाथ में लेकर सरहद पार कर गईं – उन्हें पूरा यक़ीन था कि हालात सुधरेंगे तो वापस लौट आएंगे। ऐसी भी मिसालें हैं कि किसी ने जाने से पहले पड़ोसी दोस्त के हाथ में अपने घर की चाबी सौंप दी – "मैं कुछ दिनों में लौटूंगा, तब तक ख़्याल रखना" कहते हुए। ऐसी भी गवाही मिलती है कि लाहौर की एक महिला बताती हैं – जाते वक्त बहुत-से परिवार हमारी अम्मी को अपने घरों की गाठरों में बंधी चाबियां सौंप गए, कई परिवार तो उम्मीद में कुछ दिन रुके भी कि शायद हालात संभल जाएं। इस तरह हर चाबी एक मूक गवाह थी एक अधूरी छोड़ दी गई ज़िंदगी की। हर चाबी एक ऐसे घर का प्रतीक थी जिसमें अब अजनबी रहने लगे, या जो राख में तबदील हो गया – लेकिन फिर भी उन चाबियों के असली मालिकों के मन में वो घर सांस लेता रहा। आज भी दिल्ली, जालंधर या अमृतसर के कई परिवारों में अगर आप बुज़ुर्ग शरणार्थियों से मिलें, तो वे अपने बक्सों में रखी हुई कोई पुरानी ज़ंग लगी चाबी आपको दिखाएंगे। उनकी आंखें आंसुओं और गर्व से एक साथ भर आती हैं, जब वे कहते हैं कि ये उस पुश्तैनी मकान की चाबी है जो पीछे छूट गया था। अपने बच्चों-पौत्रों को वे ये चाबियां ऐसे सौंपते हैं मानो कोई पवित्र धरोहर दे रहे हों – एक खोई हुई दुनिया की निशानी। ये चाबियां शायद आज किसी ताले में न लगें, पर ज़ेहन में बसी यादों के बंद दरवाज़े ज़रूर खोल देती हैं। वे प्रतीक हैं क्षति और लालसा के, तो साथ ही दृढ़ता और उम्मीद के भी – उस उम्मीद के, जिसने उजड़े लोगों को ज़िंदा रखा; उस दृढ़ता के, जिसने उन्हें नई ज़मीन पर फिर से घर बसाने की ताक़त दी। ■

1947 का विभाजन 20वीं सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बनकर उभरा, जिसमें चंद हफ़्तों के भीतर करीब 1.2 करोड़ से 2 करोड़ इंसान बेघर हो गए – यानी उस दौर में विश्व की आबादी का पूरा 1 प्रतिशत अपने ही वतन में बेगाना बन गया, ये आंकड़े महज़ संख्या नहीं हैं; ये भारत की धरती पर केंद्रित उस मानव त्रासदी की गवाही हैं जिसकी तुलना दुनिया में कहीं और नहीं मिलती

...शेष अगले अंक में

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

स्वतंत्रता पर नव संकल्प

शिवप्रकाश

15 अगस्त को देश स्वतंत्रता का उत्सव उत्साह के साथ मना रहा है। हमको स्वतंत्र हुए 78 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। 15 अगस्त के अपने प्रथम भाषण में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि भारत पुनः स्वयं को खोज रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर आंख से आंसू मिटे, भविष्य हमें बुला रहा है हमें कहां जाना है और हमें क्या करना चाहिए जिससे हम आम आदमी, किसानों और श्रमिकों के लिए स्वतंत्रता और अवसर दे सकें, हम निर्धनता मिटा सकें, एक समृद्ध लोकतान्त्रिक प्रगतिशील देश बना सके। कोई भी देश तब तक महान नहीं बन सकता जब तक उसके लोगों की सोच या कर्म संकीर्ण हो। उनके इस भाषण को इतिहास में 'नियति से मिलन' (Tryst With Destiny) नाम से उल्लेखित किया गया। 78 वर्षों की स्वतंत्रता की यात्रा में हमने बहुत कुछ प्राप्त किया है जो प्रत्येक भारतीय को गर्व करने योग्य है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जो प्राप्त होना चाहिए था लेकिन नहीं हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने तक एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य संपूर्ण देशवासियों को दिया है जो हमें प्राप्त करना है। उस लक्ष्य को उन्होंने 'विकसित भारत' के नाम से संबोधित किया है। अमृत काल की इस कालावधि मे प्रत्येक भारतीय का एक ही लक्ष्य होना चाहिए 'विकसित भारत'।

संस्कृत सुभाषितकार ने कहा कि "उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।" केवल आकांक्षा एवं कल्पना मात्र से लक्ष्य प्राप्ति नहीं होती उसके लिए कठोर परिश्रम, निरंतर साधना एवं कष्ट सहन करना पड़ता है। भारत के लाखों-करोड़ों लोगों ने जब अपना संकल्प स्वतंत्रता प्राप्ति बनाया एवं उसकी प्राप्ति के लिए कठोर यातनाएं सहीं, तब लंबे संघर्ष के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई। आज भी 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प 'विकसित भारत' बनना चाहिए। हमारा व्यवहार, हमारे प्रयास, हमारी आकांक्षाएं हमारे लक्ष्य प्राप्ति में सहायक बननी चाहिए। हम अपनी न्यूनताओं को कम करें एवं गुणों का संवर्धन करें। समाज को जोड़ने वाले तत्वों को विकसित करते हुए रचनात्मक कार्यों से सकारात्मकता द्वारा समाज का विश्वास बढ़ाएं। बहुआयामी प्रयास करते हुए हम भविष्य के भारत को गढ़ने में अपना रचनात्मक सहयोग दें। अपने जीवन एवं व्यवहार में अनेक गुणों का समावेश समायोचित रहेगा।

भारत के लाखों-करोड़ों लोगों ने जब अपना संकल्प स्वतंत्रता प्राप्ति बनाया एवं उसकी प्राप्ति के लिए कठोर यातनाएं सहीं, तब लंबे संघर्ष के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई। आज भी 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प 'विकसित भारत' बनना चाहिए। हमारा व्यवहार, हमारे प्रयास, हमारी आकांक्षाएं हमारे लक्ष्य प्राप्ति में सहायक बननी चाहिए

सांस्कृतिक स्वाभिमानः भारत एक प्राचीन देश है। हमारी संस्कृति सर्वकल्याणमयी एवं सर्वसमावेशी है। कोरोना काल में विश्व ने उसके दर्शन भी किए हैं। विदेशी इतिहासकारों द्वारा हमारी संस्कृति, इतिहास, भाषा एवं परम्पराओं के प्रति हमारे मन में एक आत्महीनता का भाव निर्माण किया गया था। जिससे हम अपने को ही तुच्छ मानने लगे, इसी का परिणाम है कि हमारे महापुरुषों के प्रति हमारे मन में ग्लानि का भाव है। विश्व में भारत ही केवल ऐसा देश होगा जो अपनी दिशा ही निर्धारित नहीं कर पा रहा है। जो अपने महापुरुषों में दोष एवं आक्रमणकारियों में श्रेष्ठता खोजता है इसी का परिणाम है कि शिवाजी–औरंगजेब, महाराणा प्रताप-अकबर, टीपू सुल्तान जैसे विषयों पर विवाद एवं आतंकवादियों का महिमामंडन करता है। इस ग्लानि भाव से बाहर आकर इस देश की संस्कृति, परंपरा एवं स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले ही हमारे आदर्श हैं, यह स्थापित करना होगा। यह स्वाभिमान ही हमको आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकता है।

कार्य संस्कृतिः अपनी निष्ठा, समर्पण के कारण अभावयुक्त होने के बाद भी हमारे साथ स्वतंत्र हुए देशों ने आर्थिक क्षेत्र में हमसे अधिक प्रगति की है। उदाहरणस्वरूप जापान ने अपने अनुशासन युक्त व्यवहार के बल पर 1960 के दशक में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर 'Made in Japan' को गुणवत्ता का प्रतीक बना दिया। हमारे लिए विचारणीय विषय है कि विशाल जनसमूह, प्रचुर भौतिक संसाधन एवं गौरवमय विरासत होने के बाद भी हम उतनी प्रगति नहीं कर पाए, आज भी गरीब की आंखों में आंसू हैं। आजीविका के लिए निर्धारित घंटों में हम वास्तव में कितने घंटे काम करते हैं, इसका विचार करें। हमारा व्यवहार भ्रष्टाचार रहित एवं प्रामाणिक जीवन हो। संपूर्ण देश का स्वभाव समय

पालन का बने, तब हम उत्पादन एवं कार्य के परिणाम दोनों में परिवर्तन ला सकते हैं।

स्वास्थ्य चेतना: प्रधानमंत्री जी ने अपने अनेक संबोधनों में स्वास्थ्य के प्रति सचेत करते हुए बढ़ते मोटापे पर चिंता व्यक्त की है। इससे बचने के लिए उन्होंने अपने भोजन में 10% तेलीय पदार्थ कम करने का आग्रह भी किया है। आज अनेक सर्वेक्षण बच्चों सहित बड़ी संख्या में गंभीर रोगों के ग्रसित होने का आकलन कर रहे हैं। द लैंसेट (The Lancet) द्वारा 60 हजार लोगों पर हुए सर्वेक्षण के अनुसार 45 वर्ष एवं उसके ऊपर के लोगों में 20% मधुमेह से ग्रसित थे, जिनमे से 40% अपने रोग के प्रति अनजान थे। "स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ राष्ट्र की गारंटी हो सकता है।" हम दैनिक व्यायाम, पाचनयुक्त भोजन एवं व्यवस्थित दिनचर्या से इसमें परिवर्तन ला सकते हैं।

आत्मनिर्भरता: दुनिया के अनेक देश अपने देश की गिरती अर्थव्यवस्था से चिंतित हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर लगने वाला मनमाना टैरिफ इसका उदाहरण है। हम आर्थिक साम्राज्यवादी शक्तियों से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के मंत्र को अपनाकर उन पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं। हम अपने उत्पादन में गुणवत्ता के लिए प्रयास करें, रोजगारपरक स्टार्टअप नीति अपनाए एवं दैनिक उपयोग में स्वदेशी का आग्रह करें। जो स्वदेशी का मंत्र स्वतंत्रता का आधार बना था वह स्वदेशी मंत्र ही हमको आत्मनिर्भर भी बना सकता है।

भाषा स्वाभिमान: भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है। प्रत्येक भाषा का अपना एक भाव जगत है। भारत की प्रत्येक भाषा परस्पर आबद्ध है। उसमें प्रयोग होने वाले मुहावरे, लोकोक्ति एवं कहावतें भी समान भाव से युक्त हैं। उच्चारण भिन्न होने के बाद भी भाव एक ही रहता है। गुरुवर रवीन्द्र नाथ टैगोर ने कहा था "भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की चेतना एवं संस्कृति का संवाहक है।" दुर्भाग्यवश आज भी हमारे देश में कुछ स्थानों पर भाषा के नाम पर विवाद होते हैं। भाषा को वोट प्राप्ति का माध्यम बनाया जा रहा है। हमें परकीय भाषा अच्छी लग रही है जिसके कारण सभी प्रादेशिक भाषाओं पर संकट है और अपने ही देश की भाषा से दूरी लगती है। हम एक दूसरे की भाषा जानें, आदर करें, व्यवहार में उपयोग कर सकें इसलिए सीखें। भाषा जोड़ने का माध्यम बने इसका प्रयास करें।

पर्यावरण: उपभोगवादी जीवन शैली के कारण आज हमने पर्यावरण के सम्मुख संकट खड़ा किया है। जिसके कारण अन्न, जल, वायु जिस पर हमारा जीवन निर्भर है सभी विषयुक्त बना है। इसी कारण गांधी जी ने कहा था, "प्रकृति हमारी आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है, हमारे लालच की नहीं।" हम सादगी युक्त जीवन शैली धारण करें। प्रकृति में उपलब्ध पेड़-पौधों, जीव-जंतु आदि के संरक्षण का संकल्प लें, जो आज समाप्त हो रहे हैं। जैविक खेती, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता हमारे दैनंदिन जीवन का अंग बनें। यह सभी हमारे पूर्वजों ने अपने दैनिक व्यवहार से हमें सिखाया था, हम भी उसका पालन करें।

हमें परकीय भाषा अच्छी लग रही है जिसके कारण सभी प्रादेशिक भाषाओं पर संकट है और अपने ही देश की भाषा से दूरी लगती है। हम एक दूसरे की भाषा जानें, आदर करें, व्यवहार में उपयोग कर सकें इसलिए सीखें। भाषा जोड़ने का माध्यम बने इसका प्रयास करें

समरसता एवं एकात्मता: हमारे देश की विशालता के कारण इसमें विविधताओं का भंडार है। रंग-रूप, खान-पान, भाषा, लिंग, जाति, पूजा-पद्धति, ऊंच-नीच आदि में यह विविधता प्रकट होती है। इसी विविधता को अज्ञानवश कुछ लोग विभेद के रूप में स्थापित करते है। हम सभी भारत मां की संतान होने के कारण से एक है। हमारे मित्र एवं शत्रु भी समान ही है। इस शाश्वत सत्य को समझकर हम एकात्म भाव से युक्त रहें। विविधता में एकता के सूत्र खोजकर उसकी वृद्धि के लिए प्रयास करें। यह समरसता युक्त व्यवहार ही हमको चिरंजीवी बना सकता है।

नागरिक कर्तव्य: किसी भी देश का विकास केवल सरकारों से नहीं, उसके साथ खड़ी संस्कारयुक्त, कर्तव्यनिष्ठ, जागृत जनशक्ति के द्वारा होता है। हमें इस दायित्व बोध से युक्त समाज बनना है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश के विकास के लिए शत-प्रतिशत मतदान करके अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। मैं विशेष (VIP) हूं, के अधिकारभाव से बाहर आकर सेवाभाव से देश के संसाधनों के संरक्षण की भूमिका, ऊर्जा, जल आदि के संरक्षण के लिए आवश्यक एवं सीमित उपयोग करना, अपने चारों ओर सुरक्षित वातावरण बनाने में सहयोग करना, अराष्ट्रीय गतिविधियों की पहचान एवं पराभव में सहयोग कर अपने दायित्व का निर्वाह करें। अशिक्षितों को शिक्षित करने में सहयोग हमारा दायित्व है। स्वयं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करते हुए समाज के अन्य वर्ग को भी तकनीकी के प्रयोग के महत्व के प्रति जागरूक करना है। वृद्धों की सेवा, परिवार व्यवस्था एवं अपने जीवन में प्रामाणिकता दैनिक व्यवहार का अंग बनना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पंच प्रण का पालन करते हुए हमसे यह अपेक्षा की है कि हम सभी भारतवासी 'विकसित भारत' के संकल्प में सहायक बनें एवं स्वतंत्रता के इस शुभ अवसर पर इन संकल्पों को हम सभी अपने जीवन का अंग बनाएं। ■

{लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) हैं}

क्राइम और करप्शन टीएमसी सरकार की पहचान बन गए हैं : नरेन्द्र मोदी

विशाल जनसभा, कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अगस्त, 2025 को कोलकाता में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों से देश भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है। इसी दिशा में हमने एक और बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में भाजपा सरकार एक एंटी करप्शन बिल लेकर आई है। लेकिन टीएमसी के लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ इस कार्यवाही पर भड़क गए हैं। उन्होंने संसद में विरोध करते हुए जिस प्रकार इस बिल को फाड़ने की कोशिश की है, वो दिखाता है कि टीएमसी की राजनीति भ्रष्टाचार के पहाड़ पर टिकी है। इसलिए ये लोग डरे हुए हैं और भ्रष्टाचारियों को बचाने में जुटे हैं। श्री मोदी ने कहा कि देश के औद्योगिक विकास के जनक रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से प्रेरणा लेकर हमें पश्चिम बंगाल का गौरवशाली अतीत फिर से लौटाना है।

पश्चिम बंगाल के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लगातार हर प्रकार की मदद दी है। बंगाल में नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जितना पैसा कांग्रेस की यूपीए सरकार ने अपने 10 साल में दिया था, उससे तीन गुना ज्यादा पैसा भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल को दिया। हम बंगाल के लिए जो पैसा राज्य सरकार को सीधे भेजते हैं, उसका ज्यादातर हिस्सा यहां लूट लिया जाता है और वो पैसा टीएमसी कैडर पर खर्च होता है।

श्री मोदी ने कहा कि 15 साल पहले पश्चिम बंगाल के लोगों ने परिवर्तन करने का फैसला कर मां-माटी-मानुष के नारे पर भरोसा किया था। लेकिन हालात पहले से भी ज्यादा बदतर हो गए हैं। राज्य में हुई भर्तियों में घोटालों से हजारों नौजवानों के भविष्य खराब हो गए। बहनों-बेटियों पर अत्याचार बढ़ गए। क्राइम और करप्शन टीएमसी सरकार की पहचान बन गए। ये पक्का है कि जब तक बंगाल में टीएमसी की सरकार रहेगी, तब तक बंगाल का विकास अवरुद्ध रहेगा। इसलिए आज बंगाल का जन-जन कह रहा है- टीएमसी जाएगी तभी असली बदलाव आएगा।

देश में घुसपैठियों पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने इसे राष्ट्रीय चुनौती बताया। जो घुसपैठिए, हमारे नौजवानों का रोजगार छीन रहे हैं, जो हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर पर भार बन रहे हैं, ऐसे घुसपैठियों को हम भारत में नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों से बंगाल को मुक्त कराना ही होगा।

श्री मोदी ने अपने संबोधन के अंत में भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए कहा कि एक छोटा मुलाजिम दो दिन अगर जेल में रहे तो उसकी जिंदगी तबाह करने के कानून है। लेकिन कोई मुख्यमंत्री, मंत्री और प्रधानमंत्री अगर जेल चला जाए तो उसके लिए कोई कानून नहीं है। पश्चिम बंगाल ने ये साक्षात देखा है। टीएमसी के एक मंत्री टीचर्स भर्ती घोटाले में आज तक जेल में हैं। घर से नोटों का पहाड़ मिला फिर भी वो मंत्री कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं था। ये संविधान और लोकतंत्र का सरासर अपमान है। मोदी संविधान का ये अपमान होते नहीं देख सकता। इसलिए हमने तय किया कि अगर कोई मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री 30 दिनों तक जेल में रहें और उन्हें जमानत ना मिले तो अगले दिन उनकी कुर्सी चली जाएगी। ■

प्रधानमंत्री ने कोलकाता में 5,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अगस्त, 2025 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। यहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें एक बार फिर पश्चिम बंगाल के विकास को गति देने का अवसर मिला है।

उन्होंने बताया कि देश के दो सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन - हावड़ा और सियालदह - अब मेट्रो से जुड़ गए हैं। वहीं इन स्टेशनों के बीच यात्रा का समय, जो पहले लगभग डेढ़ घंटे का होता था, अब मेट्रो से कुछ ही मिनटों का होगा।

प्रधानमंत्री ने छह लेन वाले एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे की आधारशिला भी रखी। उन्होंने इन करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली परियोजनाओं के लिए कोलकाता एवं पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई दी। ■

'बिहार अब व्यापक विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है'

विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन गया जी (बिहार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अगस्त, 2025 को बिहार के गया जी में 12,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। श्री मोदी ने कहा, "गया जी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत प्राचीन और बेहद समृद्ध है।" यह देखते हुए कि इस क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि इस शहर को केवल 'गया' नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक 'गया जी' कहा जाए, प्रधानमंत्रीजी ने इस भावना का सम्मान करने के लिए बिहार सरकार को बधाई दी।

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि आज, गया जी की पवित्र धरती से एक ही दिन में 12,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है, श्री मोदी ने कहा कि ये परियोजनाएं ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और शहरी विकास सहित प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं। उन्होंने कहा कि ये पहल बिहार की औद्योगिक क्षमता को मज़बूत करेंगी और युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर पैदा करेंगी तथा इन परिवर्तनकारी परियोजनाओं के लिए बिहार के लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्रीजी ने आगे बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आज एक अस्पताल और अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ बिहार के लोगों को अब कैंसर के इलाज के लिए एक अतिरिक्त सुविधा मिल गई है।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "बिहार का तीव्र विकास केंद्र में एनडीए सरकार की एक प्रमुख प्राथमिकता है।" उन्होंने कहा कि बिहार अब व्यापक विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि हाल के वर्षों में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकाला गया है और प्रगति के नए रास्ते बनाए गए हैं। 'लालटेन शासन' के दौरान की विकट परिस्थितियों को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि उस अवधि के दौरान यह क्षेत्र लाल आतंक की चपेट में था और माओवादी गतिविधियों के कारण सूर्यास्त के बाद आवाजाही बेहद मुश्किल थी। उन्होंने कहा कि गया जी जैसे शहर लालटेन शासन में अंधेरे में डूबे रहे। प्रधानमंत्रीजी ने बताया कि हज़ारों गांवों में बिजली के खंभे जैसी बुनियादी ढांचे की भी कमी थीं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि लालटेन युग के दौरान शासन करने वालों ने बिहार के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया था। उन्होंने आगे ज़ोर देकर कहा कि न तो शिक्षा थी और न ही रोज़गार तथा इन परिस्थितियों के कारण बिहारियों की कई पीढ़ियों को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वर्तमान बिहार सरकार विपक्षी गठबंधनों के विभाजनकारी अभियान का जवाब दे रही है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जा रहे कि बिहार के बेटे-बेटियों को राज्य के भीतर ही रोज़गार मिले। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि अब पूरे बिहार में बड़ी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, श्री मोदी ने बताया कि बिहार का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र गया जी ज़िले के डोभी में स्थापित किया जा रहा है और गया जी में एक प्रौद्योगिकी केंद्र भी स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने आज बक्सर थर्मल पावर प्लांट के उद्घाटन का भी उल्लेख किया। यह याद करते हुए कि कुछ महीने पहले ही उन्होंने औरंगाबाद में नबीनगर सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की शिलान्यास किया था, श्री मोदी ने आगे कहा कि भागलपुर के पीरपैंती में एक नया थर्मल पावर प्लांट बनाया जाएगा।

> **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जा रहे कि बिहार के बेटे-बेटियों को राज्य के भीतर ही रोज़गार मिले**

बिहार को विपक्षी दलों के हानिकारक इरादों से बचाने पर ज़ोर देते हुए श्री मोदी ने बल देकर कहा कि यह बिहार के लिए एक बहुत ही निर्णायक समय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बिहार के युवाओं के सपने पूरे होंगे और बिहार के लोगों की आकांक्षाओं को नई उड़ान दी जानी होगी। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि केंद्र सरकार इस उद्देश्य के लिए श्री नीतीश कुमार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है, प्रधानमंत्री अपने भाषण का समापन करते हुए कहा कि बिहार में विकास की गति बनाए रखने के लिए केंद्र और राज्य में उनकी सरकारें निरंतर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

इस कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, श्री जीतन राम मांझी, श्री गिरिराज सिंह, श्री चिराग पासवान, श्री नित्यानंद राय, श्री राम नाथ ठाकुर, डॉ. राज भूषण चौधरी, श्री सतीश चंद्र दुबे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ■

'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा हुई और दोनों सदनों ने 15 विधेयक पारित किए

संसद का 'मानसून सत्र' 21 जुलाई, 2025 से आरंभ होकर 21 अगस्त, 2025 तक चला, इस दौरान 32 दिनों में 21 बैठकें संपन्न हुईं। सत्र के दौरान लोकसभा में 14 विधेयक प्रस्तुत किये गये। लोकसभा में 12 विधेयक और राज्यसभा में 15 विधेयक पारित किए, जिसके परिणामस्वरूप दोनों सदनों द्वारा कुल 15 विधेयक पारित हुए। इसके अतिरिक्त, एक विधेयक लोकसभा से वापस ले लिया गया। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दोनों सदनों में एक विशेष चर्चा आयोजित की गई। लोकसभा में 73 सदस्यों की भागीदारी के साथ 18 घंटे और 41 मिनट तक चर्चा चली, इस दौरान माननीय प्रधानमंत्री ने भी अपना वक्तव्य दिया। राज्यसभा में यह चर्चा 16 घंटे और 25 मिनट तक चली, जिसमें 65 सदस्यों ने भाग लिया।

मणिपुर के संदर्भ में संसद ने 13 अगस्त, 2025 से छह महीने के लिए राष्ट्रपति शासन बढ़ाने का निर्णय लिया। मणिपुर 2025-2जी के लिए बजट चर्चा और अनुदानों की संबंधित मांगों पर चर्चा की गई, जिसमें विनियोग विधेयक को लोकसभा द्वारा पारित किया गया और राज्यसभा द्वारा वापस कर दिया गया।

आयकर कानून की व्यापक समीक्षा की गई और प्रवर समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए मूल आयकर विधेयक 2025 को वापस ले लिया गया। सरकार ने समिति की सिफारिशों और हितधारकों के सुझावों को शामिल करते हुए आयकर (संख्या 2) विधेयक 2025 पेश किया और उसे पारित कर दिया गया।

पारित किए गए प्रमुख विधेयकों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 शामिल है, जो राष्ट्रीय खेल बोर्ड के गठन का प्रावधान करता है। यह राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महासंघों को मान्यता देगा और खेल-संबंधी विवादों के लिए राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण की स्थापना करेगा। खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025, खनन पट्टों में अधिक खनिजों निकालने की अनुमति देने के लिए 1957 के अधिनियम को अद्यतन करता है और राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट के दायरे को बढ़ाता है। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 का उद्देश्य धन-आधारित ऑनलाइन गेम और संबंधित विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाना, ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देना और एक केंद्रीय नियामक प्राधिकरण की स्थापना करना है। गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, 2024, गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें आरक्षित करता है।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के पांच विधेयक दोनों सदनों द्वारा सफलतापूर्वक पारित कर दिए गए, जिनमें लदान बिल, समुद्र द्वारा माल की ढुलाई, तटीय जहाजरानी, व्यापारिक जहाजरानी और भारतीय बंदरगाह जैसे विधेयक शामिल हैं।

समिति को भेजे गए बिल

कारोबार को आसान बनाने वाले दो विधेयक - दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 और जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025 - को लोकसभा की प्रवर समिति को भेजा गया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किए: संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025; केंद्रशासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025; और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025। तीनों विधेयक विस्तृत चर्चा एवं सुझावों के लिए संयुक्त संसदीय समितियों को भेजे गए हैं। यह विधेयक सार्वजनिक पदों पर निष्ठा को मजबूत करने और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नैतिकता को ऊंचा उठाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। इस विधेयक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या केंद्र या राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के

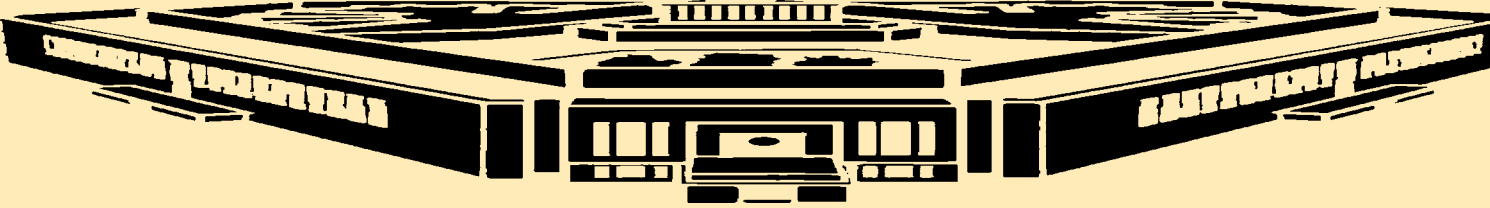

अन्य मंत्रियों को हटाने का प्रावधान है, अगर उन्हें पांच साल या उससे अधिक की कैद के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है। हटाने की प्रक्रिया में राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की सलाह के आधार पर, ऐसी मामलों में 31वें दिन के पश्चात् कार्रवाई की जा सकती है। इन विधेयकों को पेश करके सरकार ने राजनीतिक भ्रष्टाचार को खत्म करने और नैतिक आचरण के नए मानदंड स्थापित करने में एक प्रगतिशील रुख अपनाया है, यहां तक कि उच्चतम पदों को भी कानून के दायरे में रखा है और इस तरह लोकतंत्र और संवैधानिक नैतिकता में जनता का विश्वास बहाल किया है।

सत्र की उत्पादकता

पूरे सत्र के दौरान लगातार व्यवधानों के बावजूद लोकसभा में लगभग 31 प्रतिशत कार्य हुआ, जबकि राज्यसभा में 39 प्रतिशत कार्य हुआ। लोकसभा के 120 घंटों में से केवल 37 घंटे ही चर्चा हुई, जबकि राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट तक चर्चा हुई।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री पर एक विशेष चर्चा शुरू की गई, लेकिन सदन में व्यवधान के कारण यह अधूरी रह गई।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किए: संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025; केंद्रशासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025; और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025। तीनों विधेयक विस्तृत चर्चा एवं सुझावों के लिए संयुक्त संसदीय समितियों को भेजे गए हैं

सत्र के दौरान 15 विधेयक पारित किए गए। पारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण विधेयक इस प्रकार हैं:

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025: यह विधेयक एक राष्ट्रीय खेल बोर्ड की स्थापना करता है जो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय खेल महासंघों को मान्यता प्रदान करेगा और उनके संचालन की देखरेख करेगा। इसमें एक राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण की स्थापना का भी प्रावधान है, जो खेल तंत्र और प्रशासन से संबंधित विवादों का निपटारा करेगा।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025: यह राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम, 2022 में संशोधन करता है। यह केंद्र सरकार को अपील पैनल गठित करने का अधिकार देता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय एथलीटों से जुड़े मामलों में स्विट्जरलैंड के मध्यस्थता न्यायालय में सीधे अपील करने की अनुमति भी देता है।

आयकर (संख्या 2) विधेयक, 2025: यह प्रवर समिति की सिफारिशों को शामिल करते हुए आयकर अधिनियम, 19जी1 को सरल बनाता है। यह मौजूदा कर दरों और व्यवस्थाओं को बरकरार रखता है, अनावश्यक प्रावधानों को हटाता है और दक्षता एवं स्पष्टता में सुधार लाने का लक्ष्य रखता है।

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025: यह 1957 के अधिनियम को अद्यतन करता है, जो मौजूदा खनन पट्टाधारकों को बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के अपने पट्टों में अतिरिक्त खनिज, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिज निकालने की अनुमति देता है।

यह राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की भूमिका को भी व्यापक बनाता है, इसके नाम में बदलाव करता है और अन्वेषण एवं विकास के लिए धन उपलब्ध कराने हेतु इसके रॉयल्टी अंशदान दर में वृद्धि करता है।

ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025: यह विधेयक ऑनलाइन मनी गेम्स की पेशकश और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाता है, जबकि ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स जैसे अन्य प्रकार के ऑनलाइन गेमिंग को बढ़ावा देता है। यह गेमिंग क्षेत्र को विनियमित करने के लिए एक केंद्रीय प्राधिकरण की भी स्थापना करता है।

भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025: भारतीय बंदरगाह अधिनियम, 1908 को निरस्त करता है। समुद्री राज्य विकास परिषद् और राज्य समुद्री बोर्डों के निर्माण के साथ बंदरगाह क्षेत्र के विनियमन का प्रावधान करता है।

गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024: गोवा विधान सभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटें आरक्षित करता है।

बिल ऑफ लैडिंग विधेयक, 2024: भारतीय बिल ऑफ लैडिंग अधिनियम, 185जी का स्थान लेता है, जो बिल ऑफ लैडिंग (माल के जहाज पर होने का प्रमाण प्रदान करता है) जारी करने के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है। अधिनियम के अधिकांश प्रावधानों को बरकरार रखता है।

कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025: आयकर अधिनियम, 19जी1 और वित्त अधिनियम, 2025 में संशोधन करता है। एकीकृत पेंशन योजना के माध्यम से भुगतान और कुछ निधियों में निवेश करने पर आयकर से छूट प्रदान करता है।

मणिपुर माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025: अधिनियम के प्रावधानों को केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में नवीनतम संशोधनों के अनुरूप बनाता है। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया व मौन मार्च में सहभागिता की

विभाजन की त्रासदी देश के इतिहास का एक गहन दर्द और सबक है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 14 अगस्त, 2025 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में आयोजित 'मौन मार्च' में सहभागिता की और 'विभाजन विभीषिका' पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी विभाजन की त्रासदी, शहीदों के बलिदान और करोड़ों विस्थापित लोगों की पीड़ा को सजीव चित्रों, दस्तावेजों और ऐतिहासिक तथ्यों के माध्यम से प्रदर्शित करती है। इस कार्यक्रम में उपराज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना, दिल्ली मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली विधानसभा स्पीकर श्री विजेन्द्र गुप्ता, केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ, नई दिल्ली से लोकसभा सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज और राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी श्री संजय मयूख सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ इस कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

श्री नड्डा ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि विभाजन की त्रासदी देश के इतिहास का एक गहन दर्द और सबक है। इसे केवल स्मरण ही नहीं रखना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को इसके कारणों, परिणामों और देश की एकता के महत्व से अवगत कराना है। विभाजन के समय लाखों परिवारों ने अपनों को खोया, अपने घर-बार छोड़े, लेकिन उन्होंने साहस, धैर्य और देशप्रेम से पुनर्निर्माण किया। आज हम सब को उसी भावना को आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों एवं विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लाखों लोगों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखकर की गई। मौन मार्च सेंट्रल पार्क से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से गुजरते हुए कनॉट प्लेस पर संपन्न हुआ।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने का उद्देश्य यही है कि हम इस पीड़ा को याद रखते हुए ऐसे विभाजनकारी माहौल को दोबारा जन्म लेने से रोकें और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को मजबूत करें। ■

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2025 को लाल किले पर आयोजित 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2025 को लाल किले पर आयोजित 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

बेंगलुरु (कर्नाटक) में 10 अगस्त, 2025 को बेंगलुरु मेट्रो चरण–2 परियोजना के अंतर्गत येलो लाइन को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कोलकाता में (पश्चिम बंगाल) 22 अगस्त, 2025 को मेट्रो रेल के नए चरण का उद्घाटन करने के पश्चात् मेट्रो की सवारी करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 16 अगस्त, 2025 को पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर 'सदैव अटल' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 02 सितम्बर, 2025
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953

नई दिल्ली में 15 अगस्त, 2025 को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर लाल किले पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

छायाकार: अजय कुमार सिंह